वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

खेलकूद प्रतियोगितायें

प्रकाशन संख्या : SKNAU/2024/46

वार्षिक प्रतिवेदन
2023-24

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर-303329 (जयपुर) राजस्थान

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर- 303329 (जयपुर) राजस्थान

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह

समन्वयक एवं सम्पादक
प्रो. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल
निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

डॉ. गिरीश कुमार मित्तल
सहायक प्राध्यापक (जैवरसायन)
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

श्री संजय काला
प्रयोगशाला सहायक

मुद्रक
रूपबसन्त प्रिन्टर्स, जोबनेर
मो. 9772621976

सहयोग

निदेशक अनुसंधान/ निदेशक प्रसाद शिक्षा/ निदेशक मानव संसाधन / निदेशक शिक्षा
कुलसचिव / वित्त नियंत्रक / परीक्षा नियंत्रक / भूसम्पति अधिकारी / केन्द्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष
अधिष्ठाता श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर/ लालसोट / भरतपुर / फतेहपुर-शेखावाटी/नवगांव
कृषि व्यवसाय एवं प्रबन्धन महाविद्यालय / डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी / कोटपुतली/
बसेड़ी / किशनगढ़बास /झिलाई / भुसावर / पीथमपुरी/उद्यान महाविद्यालय, दुर्गापुरा जयपुर

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–303329 (जयपुर) राजस्थान–303329

फोनः 01425–254039, 254555 ई–मेलः vc@sknau.ac.in

प्राक्कथन

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वार्षिक प्रतिवेदन – 2023–24 को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 2013 में हुई, तभी से इस विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं तकनीकियों के हस्तानान्तरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह 16 मार्च, 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति की 985 उपाधियां प्रदान करने के साथ 08 प्रतिभावान छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। आलोच्य वर्ष में दुर्गापुरा में उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर) में कृषि संकाय में स्नातकोत्तर पाठयक्रम एवं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा पर स्नात्कोत्तर एवं विद्यावाचस्पति प्रारंभ किये गये है। स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 29 विद्यार्थियों ने एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, बैंकाक व वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में क्रमशः एक व दो महीनो का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के 15 शिक्षको ने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत विदेश के कई उच्च स्तरीय विश्वविद्यालयों व संस्थानों में 15 दिन से 5 महीनों तक अलग–अलग विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यलय, जोबनेर के 8 संघटक कृषि महाविद्यालयों के प्रशासनिक भवन, छात्र एवं छात्राओं छात्रावास, अधिष्ठाता निवास आदि भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है जो कि वर्ष 2024–25 में पूर्ण होने की सम्भावना है।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस आलोच्य वर्ष में ग्वार की दो उन्नत किस्में व 43 उन्नत कृषि तकनीकियों को विकसित किया गया। वर्ष 2023–24 में दो राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं। निजी कम्पनियों की 38 परीक्षण परियोजनाओं के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों से बहु केन्द्रीय परीक्षण हेतु 5 परीक्षण परियोजनाएं कार्यरत है। कृषि प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से इस वर्ष 211 संस्थागत एवं 190 गैर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिनसे 12252 किसान, किसान महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए। साथ ही 611 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये जिनसे 2870 कृषक लाभान्वित हुए। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष विभिन्न फसलों का 3842 क्विंण्टल प्रजनक बीज व 5442 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ है, जिससे क्षेत्र के कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध हो पाया है। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक वर्ष के रूप में मनाया है, जिसके अन्तर्गत बाजरा के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय कॉन्क्लेव, दो दिवसीय श्री अन्न सम्मेलन का आयोजन के साथ– साथ विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये गये। श्री कर्ण नरेंन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में एआर/वीआर अनुभव केंद्र, डीजीसीए, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत रिमोट पायलट ट्रेनिंग आर्गेनाईजेशन की स्थापना की गई। इस आलोच्य वर्ष में आठ संघटक महाविधालयों में कृषि शिक्षा मेलों का आयोजन व जोबनेर में प्लेसमेंट मेले का आयोजन किया गया।

मैं धन्यवाद ज्ञापित करना चाहुँगा कि विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिष्ठाताओं, अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने विश्वविद्यालय को नई उचाँइयों पर ले जाने के लिय उल्लेखनीय सहयोग दिया है। मैं डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन) एवं उनकी टीम को इस वार्षिक प्रतिवेदन–2023–24 के लिये संकलन एवं सफल प्रकाशन हेतु बधाई प्रेषित करता हूँ।

(बलराज सिंह)

विवरणिका

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा एवं परिचय	1–17
2.	विभिन्न संवर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण	18–22
3.	बजट मद	22–25
4.	प्रमुख सिविल कार्य प्रगति	25–27
5.	कृषि शिक्षा	28–33
6.	छात्र कल्याण निदेशालय	33–37
7.	अनुसंधान निदेशालय	38–47
8.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	48–52
9.	मानव संसाधन विकास निदेशालय	53–54
10.	प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	54
11.	विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियां	55–65
12.	पुरस्कार	65
13.	प्रतिष्ठित आगन्तुक	66–69
14.	सारांश	70–71

1. विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा एवं परिचय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 13 सितम्बर 2013 में राजस्थान सरकार के राज्य अधिनियम 20 तथा संशोधित अध्यादेश 23 के तहत हुई। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार तीन जलवायु खण्डों के लगभग 64 लाख हैक्टेयर में फैला हुआ है जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 1/6 भू–भाग है तथा पन्द्रह जिलों में यानि सीकर, नीम का थाना (खण्ड 2 अ), जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर, टोंक, दौसा, केकडी, दूदू, ब्यावर (खण्ड 3 अ), अलवर, भरतपुर, धौलपुर, डीग, खैरथल (खण्ड 3 ब) में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के पन्द्रह जिलों में औसतन 500–700 मिमी वार्षिक वर्षा होती है।

कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं सम्बन्धित विज्ञान में शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करना तथा कृषि, पशुपालन एवं उद्यानिकी की आधुनिक तकनीकों को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक उत्थान करना है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के क्षेत्राधिकार के तीन जलवायु खण्डों में स्थापित विभिन्न इकाइयां

विश्वविद्यालय के मूलभूत उद्देश्य हैं :

1. कृषि एवं सहबद्ध विज्ञानों में शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा का अभिवर्द्धन
2. विश्वविद्यालय के जलवायु खण्डों की महत्वपूर्ण खाद्यान्नों, दालों, मसालों एवं उद्यानिकी फसलों की उन्नत सकंर किस्मों का निर्माण
3. उच्च उत्पादकों के लिये स्थानीय तकनीकियों, विशिष्ट विविध भू–उपयोग तंत्र को विकसित करना
4. किसानों और प्रसार पदाधिकारियों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का तेजी से हस्तानांतरण

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय के मुखिया कुलाधिपति के रूप में राजस्थान राज्य के राज्यपाल महोदय होते हैं। विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संवैधानिक निकाय प्रबन्ध मण्डल है, जो कि कुलपति महोदय को विभिन्न मसलों पर अपनी सहमति प्रदान करती है। अन्य उच्च स्तर की विभिन्न संवैधानिक निकायों में शैक्षणिक परिषद, शोध परिषद तथा प्रसार शिक्षा परिषद है जो क्रमशः शिक्षा, शोध एवं प्रसार के उद्देश्यों से सम्बद्ध रखती हैं।

संगठनात्मक ढांचा

↓

कुलाधिपति

↓

कुलपति

अधिष्ठाता

1. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2. कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
3. कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
4. कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
5. कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)
6. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर
7. कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली जयपुर
8. कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)
9. कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास (अलवर)
10. कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)
11. कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)
12. कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)
13. डेयरी एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर
14, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर

निदेशक

अधिकारी

1. कुल सचिव
2. वित्त नियंत्रक
3. भू–सम्पति अधिकारी

अन्य

1. परीक्षा नियंत्रक
2. पुस्तकालयाध्यक्ष

अनुसंधान

1. राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर
2. कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
3. कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवंगाव (अलवर)

कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र

1. डिग्गी (टोंक)
2. कोटपूतली (जयपुर)
3. तबीजी (अजमेर)
4. कुम्हेर (भरतपुर)

शिक्षा

मानव संसाधन विकास

छात्र कल्याण

प्राथमिकता निरीक्षण व मूल्यांकन

प्रसार शिक्षा

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर)
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली (जयपुर)
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर (सीकर)
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवंगाव (अलवर)
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
8. कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)

कृषि शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय में चार संकाय हैं, कृषि संकाय, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, डेयरी एवं प्रौधोगिकी और उद्यान विज्ञान। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 14 महाविद्यालय है जिनमें से कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा के लिए 11 कृषि महाविद्यालय आते हैं जिनमें सबसे पुराना तथा मुख्य शिक्षण संस्थान श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर है तथा अन्य 10 महाविद्यालय लालसोट (दौसा, 2007 में स्थापित), फतेहपुर शेखावाटी (सीकर, 2013 में स्थापित) कुम्हेर (भरतपुर, 2013 में स्थापित), नंवगाव (अलवर, 2018 में स्थापित), गोनेड़ा–कोटपूतली (जयपुर, 2019 में स्थापित), बसेड़ी (धोलपुर, 2019 में स्थापित), किशनगढबास (अलवर, 2019 में स्थापित), भुसावर–वैर (भरतपुर, 2021 में स्थापित), झिलाई (टोंक, 2021 में स्थापित), पीथमपुरी (सीकर, 2021 में स्थापित) में स्थापित किये गये। कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2016, डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2021 एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर वर्ष 2023 में स्थापित किये गये। इन महाविद्यालयों में सत्र 2022–23 व 2023–24 में कुल विद्यार्थियों की सँख्या क्रमशः 2779 है। कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा की शैक्षणिक गतिविधियों को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर समन्वित करता है। कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में प्रतिवर्ष 127 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। कृषि संकाय के अन्य कृषि महाविद्यालयों मे प्रत्येक में 60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त 14 राजकीय एवं 10 निजी महाविद्यालय भी श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से संबद्धता रखते है जहाँ वर्तमान सत्र मे कुल विद्यार्थियों की संख्या 4135 है। कृषि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) एवं कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) में संचालित किये जा रहे हैं एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर एवं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा (जयपुर) में संचालित किये जा रहे हैं।

अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत तीन अनुसंधान केन्द्र हैं, – राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा (जयपुर) इस कृषि विश्वविद्यालय का मुख्य अनुसंधान केन्द्र है जिसमें अनुसंधान के साथ–साथ पांच विभागो में विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम एवं छः विभागों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी चल रहा है। कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व नवगॉव (अलवर) में एवं चार कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) में स्थित हैं। अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत 18 दीर्घावधी अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं चल रही है, जिनको भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की 75 प्रतिशत वित्तीय व शेष राज्य सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इनमें से 14 परियोजनाएं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा (जयपुर) में व 01 परियोजना कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर शेखावटी एवं 03 परियोजनाएं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्याल जोबनेर पर संचालित की जा रही है। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत यहां के क्षेत्राधिकार के महत्व की 19 फसलों, सब्जियों तथा शुष्क क्षेत्र फलों पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है। अन्य विशेष परियोजनाएं पौध संरक्षण, कृषि वानिकी, बीज अनुसंधान, सूत्रकृमि, एकीकृत कृषि पद्धति आदि पर हैं। एक परियोजना ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पर भी संचालित है जिसके माध्यम से लगभग 4 लाख कृषकों को उनके मोबाइल फोन पर मौसम संबंधी सूचना भेजी जाती है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के तहत कुल 879.43 हैक्टेयर का कृषि फार्म है जिस पर अनुसंधान तथा गुणवत्ता युक्त बीजोत्पादन भी किया जाता है।

कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में कुल आठ कृषि विज्ञान केन्द्र हैं जो कोटपूतली जिले के गोनेडा (कोटपूतली), दौसा जिले के खेडला खुर्द, अजमेर जिले के तबीजी, अलवर जिले के नवगांव, डीग जिले के कुम्हेर, धौलपुर जिले के मसूदपुर एवं सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी व अरनिया में स्थित है। कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा किसानों के लिए "जोबनेर कृषि" नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के प्रशिक्षण, प्रसार कार्यकर्ताओं के तकनीकी ज्ञान की वृद्धि हेतु प्रशिक्षण, ग्रामीण महिला एवं पुरूषों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों, किसान मेलों आदि का आयोजन करते है।

विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास एवं छात्र कल्याण निदेशालय भी है जो अध्यापकों एवं छात्रों के विकास हेतु कार्य करते है। निदेशालय प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य विश्वविद्यालय की गतिविधियों का प्रकाशन करना है। प्रशासनिक कार्यों के लिए कुलसचिव एवं वित्तीय मामलों के लिए वित्त नियंत्रक कार्यालय विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग है। विश्वविद्यालय का सिविल कार्य भू–सम्पत्ति अधिकारी द्वारा सम्पन्न किया जाता है ।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल की बैठक

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय की प्रबन्ध मण्डल की तीन बैठकें क्रमशः 15 मार्च 2023, 10 मई 2023 व 07 जुलाई 2023 को सम्पादित हुई।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल के सदस्यों का विवरण :

क्र. सं.	सदस्य	सदस्य का नाम	
1.	कुलपति	प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह	पदेन अध्यक्ष
2.	शासन सचिव, कृषि विभाग या मनोनीत उप सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
3.	शासन सचिव, वित्त विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
4.	शासन सचिव, वित्त विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
5.	शासन सचिव, पशुपालन विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
6.	राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाने वाला राजस्थान विधानसभा का एक सदस्य	श्री आलोक बेनीवाल, सदस्य, विधानसभा (18.08.2023 तक)	सदस्य
7.	कृषि के क्षेत्र से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाले दो प्रख्यात शिक्षाविद्/शैक्षणिक	डॉ. पी. सी. जैन डॉ. सीता राम चौधरी	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय की अधिकारिता में से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक प्रगतिशील किसान	डॉ. नन्दाराम कुड़ी	सदस्य
9.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक विशिष्ठता प्राप्त कृषि उद्योगपति	श्री पवन कुमार शर्मा	सदस्य
10.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाली एक उत्कृष्ट महिला समाज सेविका, जिसकी पृष्ठ भूमि ग्रामीण विकास से संबधित हो	श्रीमती विमला जाजोरिया	सदस्य
11.	भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र का एक प्रतिनिधि	डॉ. ओ. पी. यादव, निदेशक, काजरी, जोधपुर	सदस्य
12.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक निदेशक	प्रो. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल	सदस्य
13.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक संकाय अध्यक्ष	प्रो. बी. एल. जाट	सदस्य
14.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक आचार्य	डॉ. एम. आर. चौधरी	सदस्य
15.	कुल सचिव	श्री रामरतन शर्मा	सदस्य सचिव

प्रतिवेदन अवधि में सम्पन्न हुई प्रबंध मंडल की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र. सं.	बैठक	बैठक	माध्यम
1.	24, वीं प्रबंध मंडल की बैठक	15.03.2023	हाईब्रिड माध्यम
2.	25, वीं प्रबंध मंडल की बैठक	10.05.2023	हाईब्रिड माध्यम
3.	26, वीं प्रबंध मंडल की बैठक	07.07.2023	ऑफलाईन

प्रबंध मंडल की बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

- कृषि विज्ञान केन्द्र व कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, ग्राम गोनेडा, कोटपूतली की राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148B के रोड़ विस्तारीकरण में अवाप्त भूमि से प्राप्त मुआवजा राशि का कुछ आंशिक भाग इस तरह उपयोग में लिया जायें ताकि केन्द्रों को भविष्य में आय प्राप्त होती रहे एवं बाकी शेष राशि को कोरपस फण्ड में जमा किया जाये।

- कैरियर एडवांसमेंट योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को नगद (Cash) वित्तीय लाभ दिनांक 01.01.2018 से दिये जाने हेतु वित्त विभाग (Rules Division), राजस्थान सरकार ने आदेश No- F14(1)FD/Rules/2009 दिनांक 19.09.2022 द्वारा कैरियर एडवांसमेंट योजना के अन्तर्गत जिन पात्रताधारी प्राध्यापकों का सी.ए.एस. परिलाभ पदोन्नति दिनांक 01.01.2018 या उसके पश्चात् बकाया है उन्हे नगद (Cash) वित्तीय लाभ परिलाभ उनके पात्रता दिनांक से देय होगी तथा जिनके सीएएस परिलाभ पदोन्नति दिनांक 01.01.2018 से पूर्व बकाया है, उन्हे दिनांक 01.01.2018 से नगद (Cash) वित्तीय लाभ परिलाभ यूजीसी रेगुलेशन के अन्तर्गत दिये जाने का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।

- विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह दिनांक 16.03.2023 मे माननीय राज्यपाल, राजस्थान व कुलाधिपति महोदय द्वारा डिग्रियां /गोल्ड मेडल योग्य छात्र–छात्राओं को दिये जाने के प्रस्ताव अनुमोदन का किया गया।

- विश्वविद्यालय सेवा से दिनांक 01.01.2018 के पश्चात् सेवानिवृत हुए कार्मिकों को ग्रेच्युटी भुगतान के संबन्ध में कार्मिक शपथ–पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह वर्तमान एवं भविष्य में ब्याज की मांग नही करने अथवा लम्बित वाद वापस लेने के उपरान्त ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध राशि से ग्रेच्युटी का अन्तिम भुगतान किये जाने का अनुमोदन माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से किया गया।

- वित्त विभाग के परिपत्र दिनांक 20.04.2023 के प्रावधानों को विश्वविद्यालय में लागू करने के संबंध में निर्णय हेतु प्रस्ताव पर माननीय सदन द्वारा विस्तृत चर्चा की गई, तदुपरान्त विश्वविद्यालय में नवीन पेंशन योजना (NPS) में कार्यरत कार्मिकों को पुरानी पेंशन योजना (OPS) में अंगीकृत किए जाने के प्रस्ताव का सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन किया गया एवं सदन द्वारा निर्देशित किया गया कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विभाग के अनुमोदन उपरान्त विश्वविद्यालय में नवीन पेंशन योजना (NPS) में कार्यरत कार्मिकों को पुरानी पेंशन योजना (OPS) में अंगीकृत किए जाने का सर्वसम्मति से निर्णय किया गया।

- विश्वविद्यालय के पैनल अधिवक्ताओ हेतु विधिक फीस संरचना के पुनर्निर्धारण हेतु समिति द्वारा प्रस्तावित विधिक शुल्क व अन्य व्यय संरचना में बढ़ोतरी किये जाने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया

- विश्वविद्यालय की सभी इकाई प्रभारियों को रुपयें 05.00 लाख तक के सिविल कार्य करवाए जाने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा विस्तृत विचार–विमर्श किया गया एवं विश्वविद्यालय में तकनीकी इंजिनियरिंग स्टाफ की भारी कमी को देखते हुए निर्णय किया गया कि इकाई प्रभारियो द्वारा करवाये जाने वाले कार्य की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्य का तकमीना एवं अन्य तकनीकी कार्य विश्वविद्यालय के भू–सम्पदा अधिकारी की देख–रेख में इकाई प्रभारियों द्वारा कार्य करवाये जाने का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- आवश्यक कार्य पर कार्यरत विश्वविद्यालय कर्मचारियों को किराया मुक्त आवास के संबन्ध में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

आवारा आवंटन नियम–2021 में संशोधन करने हेतु प्रस्ताव का माननीय सदन ने पैतृक विश्वविद्यालय (स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर) द्वारा अपनाये गये निर्धारित नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय में अंगीकृत करने हेतु सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- वित्त विभाग के परिपत्र दिनांक 21.02.2023 एवं आदेश दिनांक 20.04.2023 के प्रावधानों को विश्वविद्यालय में लागू करने के संबंध में निर्णय हेतु प्रस्ताव पर माननीय सदन द्वारा विस्तृत चर्चा की गई, तदुपरान्त विश्वविद्यालय से सेवानिवृत कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के पुनर्विकल्प के संबन्ध में प्रस्ताव का सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन किया गया एवं निर्देशित किया गया कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विभाग से अनुमोदन प्राप्त करके विश्वविद्यालय में पुरानी पेंशन योजना के पुनर्विकल्प की प्रक्रिया अंगीकृत की जाये।

- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के विज्ञापन संख्या – एसकेएनएयू/2017/2 दिनांक 16. 08.2017 में शेष रहे 71 पदों को पुनः भर्ती प्रक्रिया में शामिल करते हुए, विश्वविद्यालय में अशैक्षणिक कर्मचारियों के कुल 164 पदों पर भर्ती करने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा समयबद्ध तरीके से शीघ्र भर्ती करने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न अशैक्षणिक पदों के लिए आवेदन हेतु प्रस्तावित आवेदन शुल्क स्वीकृत करने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- अशैक्षणिक संवर्ग के प्रत्येक रिक्त पद के विरूद्ध साक्षात्कार / जॉब टेस्ट हेतु बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 1 : 5 के अनुपात में निर्धारण करने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा भर्ती नियमों की पालना करते हुए प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- विश्वविद्यालय में अशैक्षणिक संवर्ग के विभिन्न पदों – तकनीकी सहायक, फार्म मैनेजर, प्रोग्राम सहायक (लैब तकनीकी), प्रोग्राम सहायक (कम्प्यूटर), मैट्रन, स्टेनोग्राफर, स्टेनोग्राफर–तृतीय, लिपिक ग्रेड–द्वितीय, इलेक्ट्रीशियन, सूचना सहायक, प्रयोगशाला सहायक, पुस्तकालय सहायक, कृषि पर्यवेक्षक एवं वाहन चालक के लिए भारांक गणना का माननीय सदन द्वारा विचार–विमर्श किया गया तदुपरान्त विश्वविद्यालय नियम एवं परिनियम, राजस्थान लोक सेवा आयोग राजस्थान सेवा अधीनस्थ कर्मचारी चयन बोर्ड के अनुरूप मापदण्ड प्रक्रिया अपनाने का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- विश्वविद्यालय में कार्यरत सहायक आचार्य जो Ph.D धारक नही है को कैरियर एडवांसमेंट योजना के अन्तर्गत 6 वर्ष की सेवा के स्थान पर 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर चरण प्रथम (AL–10) से चरण द्वितीय (AL–11) में पदोन्नत करने हेतु प्रस्ताव पर विचार–विमर्श उपरान्त विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य जो Ph.D धारक नही है को कैरियर एडवांसमेंट योजना के अन्तर्गत पदोन्नति पात्रता के पुनरावलोकन करने के लिये समिति की अनुशंषा का अनुमोदन किया। तदुपरान्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के पत्र दिनांक 27.01.2022 के अनुसरण में सहायक आचार्य जो Ph.D धारक नही है, को कैरियर एडवांसमेंट योजना के अन्तर्गत 6 वर्ष की सेवा के स्थान पर 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर चरण प्रथम (AL–10) से चरण द्वितीय (AL–11) मे पदोन्नत करने के प्रस्ताव का सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

- कार्मिक (क–ग्रुप–2) विभाग, राजस्थान सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ 5 (डीओपी/ए–II/2022 जयपुर दिनांक 26.04. 2023 के द्वारा राजस्थान स्थायी पूर्ण दिव्यांग सरकारी कर्मचारी आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति दिये जाने हेतु अधिसूचना को विश्वविद्यालय में अंगीकृत करने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- शैक्षणिक संवर्ग के पदों की भर्ती के लिये विश्वविद्यालय द्वारा जारी विज्ञापन संख्या श्रीक.न.कृवि./ शैक्षणिक /2023/01/1850 एवं श्रीक.न.कृवि./शैक्षणिक/2023/02/1852 दिनांक 01.02.2023 के संदर्भ में विश्वविद्यालय की चयन समिति द्वारा लिये गये साक्षात्कार (दिनांक 12.06.2023 से 06.07.2023) उपरान्त चयन समिति की अनुशंषा के चयनित अभ्यर्थियों (Select List) के सीलबंद लिफाफे माननीय सदन के समक्ष खोले गये एवं सभी चयनित अभ्यर्थियों के नाम का माननीय कुलपति महोदय द्वारा वाचन किया गया।

शैक्षणिक परिषद्

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्यो की समीक्षा करने और उनकी गुणवत्ता में समयानुसार परिवर्तन अथवा सुधार करने निम्न सदस्यों की एक शैक्षणिक परिषद् है–

क्र.सं.	नाम	पद
1.	कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन अध्यक्ष
2.	विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक–	
	• निदेशक अनुसंधान, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता निरीक्षण एवं मूल्यांकन, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण, श्री.क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन व विकास, श्री क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
3.	संकायों के अध्यक्ष–	
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री क.न.क. महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
4.	विश्वविद्यालय के समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
5.	परीक्षा नियंत्रक, श्री.क.न. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
6.	समस्त विभागों के विश्वविद्यालय विभाग प्रमुख, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर–	
	• सस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य

	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्रकृमि विज्ञान विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
7.	डॉ. बी. एस. तोमर, प्रिंसिपल साइंटिस्ट एवं विभागध्यक्ष, डिविजन ऑफ वैजिटेबल सांइस, भाकृअसं, नई दिल्ली	बाहरी सदस्य
8.	माननीय कुलपति द्वारा कोओप्टेड सदस्य–	
	• डॉ. प्रभात कुमार, समन्वयक, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना, भाकृअसं. नई दिल्ली	सहयोजित सदस्य
	• डॉ. बी. आर. रणवा, (सेवानिवृत) महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोधौगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	सहयोजित सदस्य
	• डॉ. आर. एस. सैनी, सेवानिवृत पूर्व अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट	सहयोजित सदस्य
9.	कुल सचिव, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
10.	निदेशक, शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

वर्ष 2023 में परिषद् की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.स.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–23	30.01.2023	ऑन लाइन एवं आंशिक ऑफ लाइन
2.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–24	15.03.2023	ऑफ लाइन
3.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–25	06.05.2023	ऑन लाइन एवं आंशिक ऑफ लाइन
4.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–26	14.12.2023	ऑफ लाइन एवं आंशिक ऑन लाइन

शैक्षणिक परिषद बैठक – 23 में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में विभिन्न शिक्षण पदों के लिए आवेदन करने के लिए आवेदन शुल्क को मंजूरी दे दी गई है
- विश्वविद्यालय में 7वें वेतन आयोग के अनुसार शैक्षणिक स्तर 10 के वेतन पर डेयरी प्रौद्योगिकी में विभिन्न विषयों में सहायक प्रोफेसरों की आवश्यक योग्यता को मंजूरी दी गई।

- विश्वविद्यालय में 7वें वेतन आयोग के अनुसार शैक्षणिक स्तर 10 के वेतन पर सहायक प्रोफेसर और समकक्ष पदों की आवश्यक योग्यता को मंजूरी दी गई।
- विश्वविद्यालय में सातवें वेतन आयोग के अनुसार शैक्षणिक स्तर 14– शैक्षणिक स्तर 13–ए. शैक्षणिक स्तर 13–ए और शैक्षणिक स्तर 13–ए के वेतन पर क्रमशः प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, उप निदेशक अनुसंधान और वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के पदों की अनुमोदित आवश्यक (केवीके) योग्यताएं स्पष्ट की गई।
- विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण पदों के सीधे चयन के लिए स्कोर कार्ड को मंजूरी दी गई।
- यह मंजूरी दी गई कि एनएएचईपी के तहत अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए B.Sc. (Hons.) Pt- IV/III/II वर्ष के छात्रों की प्रतिनियुक्ति को अध्ययन के लिए गिना जाएगा और वह निर्धारित समय में अपना डिग्री कार्यक्रम पूरा करने के लिए पात्र होंगे। विश्वविद्यालय रेडी कार्यक्रम की/मौखिक/ तरह प्रशिक्षण के बाद या तो एक विशेष परीक्षा आयोजित करने या उसके लिखित साक्षात्कार के आधार पर अंक देने का निर्णय ले सकता है।
- विदेश जाने वाले संकाय को एन.ए.एच.ईपी. के तहत अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।
- साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों का अनुपात कर दिया 1 रू 10 से बढ़ाकर 18रू किया गया।

शैक्षणिक परिषद बैठक – 24 में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

- परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रस्तुत श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से स्नातक/अधिस्नातक डॉक्टरेट डिग्री के लिए/सभी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उम्मीदवारो ं की सूची को मंजूरी दी गई।
- स्नातक/अधिस्नातक डॉक्टरेट/छात्रों को गोल्ड मेडल देने के लिए परीक्षा नियंत्रक द्वारा सौंपी गई सूची को मंजूरी दी गई।

शैक्षणिक परिषद बैठक – 25 में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

- निदेशक शिक्षा द्वारा जारी कार्यालय आदेश संख्या F/(17)6Dir-Edu-/SKNAU/1553/2023 दिनांक 16.02.2023 के तहत M.Sc. (Ag) में व्यापक परीक्षा का पुराना पैटर्न इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पुनः लागू किया गया कि M.Sc. (Ag) डिग्री कार्यक्रम में व्यापक परीक्षा गैरक्रेडिट के रूप में कार्यक्रम के आवश्यक क्रेडिट भार पूरा नहीं करता है।
- माननीय कुलपति की पूर्व मंजूरी के साथ कृषि अर्थशास्त्र विषय में Ph. D. कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए डीन और संकाय अध्यक्ष को शिक्षा निदेशक द्वारा दी गई अनुमति की पुष्टि की गई। साथ ही अध्ययन बोर्ड में सी. ओ. सी. द्वारा कृषि अर्थशास्त्र विषय में पी.एचडी. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम का अनुमोदन होने तक बी. एस. एम. ए. द्वारा अनुशंसित पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति दी गई ।
- बजट घोषणा वर्ष 24–2023 के बिंदु संख्या 334 के तहत माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार की घोषणा और उसके बाद कृषि – समूह III) विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर से जारी पत्र क्रमांक प.1(2)कृषि–3/2013 जयपुर दिनांक 2023–4–24 की अनुपालन में कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर शेखावाटी में एम. एससी डिग्री कार्यक्रम प्रदान करने के लिए कृषि विज्ञान (एजी) आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, फल विज्ञान और मृदा विज्ञान में पीजी विभाग शुरू करने की मंजूरी दी गई।
- आर.ए.आर.आई., दुर्गापुरा के रूप में एक नया शैक्षणिक (अकादमिक) जयपुर में एसोसिएट डीन–प्रशासनिक पदसृजित किया गया।
- आर.ए.आर.आई., दुर्गापुरा में एग्रोनॉमी, जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग, वेजिटेबल साइंस, एंटोमोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभागों में M.Sc. Ag./Ph.D. Ag. कार्यक्रम फिर से शुरू साथ नेमाटोलॉजी विभाग में करने के साथ एम. एस. सी. कार्यक्रम (एजी.) फिर से शुरू करने लिए पीजी विभाग बनाने को मंजूरी दी गई। संबंधित विषयों के परिसर प्रमुखों को आर.ए.आर.आई., दुर्गापुरा जयपुर में पीजी कार्यक्रम चलाने की जिम्मेदारी दी गई।

- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में विभिन्न गैरशिक्षण पदों पर भर्ती के लिए पात्रता मानदंड, आवश्यक योग्यताएं और पाठ्यक्रम को मंजूरी दे दी ।
- विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण पदों के लिए CAS चरण I, II, III और IV के स्कोर कार्ड को मंजूरी दी गई।
- व्यावहारिक परीक्षा में एकरूपता बनाए रखने के लिए श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के लिए यूजी पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों की व्यावहारिक परीक्षा के पैटर्न को मंजूरी दी गई।
- पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों में विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षकों को दिए जाने वाले संशोधित पारिश्रमिक को मंजूरी दी गई।
- पाठ्यक्रमों की समिति के सदस्य के लिए पारिश्रमिक का प्रावधान किया गया।
- बजट सत्र 24—2023 में राजस्थान सरकार की घोषणा के अनुसार सीट मैट्रिक्स 40 सामान्य सीटों, 20 भुगतान सीटों और मानदंडों के अनुसार ई.डब्ल्यू.एस. सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ जयपुर के दुर्गापुरा में नव स्थापित बागवानी कॉलेज के. बी. एससी. बागवानी डिग्री कार्यक्रम को (ऑनर्स) मंजूरी दी गई।
- कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर स्वीकृत प्रत्येक विभाग में पीजी प्रवेश के लिए शेखावाटी में हाल ही में – तीन सीटों को मंजूरी दी गई ।
- अतिथि प्रोफेसरों संकाय की नियुक्ति पर विचार किया गया और सहायक प्रोफेसरों / एन.ए.एच.ईपी. आई.सी.ए.आर. दिशा निर्देशों के अनुसार पारिश्रमिक की दर को मंजूरी दी गई।

शैक्षणिक परिषद बैठक – 26 में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ चार सरकारी कृषि महाविद्यालयों की संबद्धता को मंजूरी दी गई, जो बजट घोषणा वर्ष 2023–24 और उसके बाद उप सचिव, उच्च शिक्षा (समूह–3) विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जारी आदेश संख्या प 6 (3)/शिक्षा/ग्रुप – 3/2023 जयपुर दिनांक 27.03.2023 के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2023–24 में स्थापित किए गए थे।
- यह निर्णय लिया गया कि उम्मीदवार जो चार वर्षीय बी. एस. सी. (ऑनर्स) एजी. पूरा करने केबाद आईसीएआर द्वारा मान्यता प्राप्त कृषि इंजीनियरिंग से संबंधित विषय में एम.एससी. (एजी.) या एम. टेक डिग्रीधारी हो श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की सहायक प्रो. (कृषि इंजीनियरिंग) के सीधे भर्ती में चयन के लिए उपस्थित होने के लिए पात्र होंगे।
- निर्णय लिया गया कि श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के पीजी संस्थानों के डीन द्वारा एम.एस.सी. (एजी.) और पीएच. डी. छात्रों की मौखिक व्यापक / प्रारंभिक परीक्षा और थीसिस जमा करने का शुल्क निदेशक शिक्षा के खाते में जमा किया जाएगा और अन्य परीक्षा शुल्क पीजी परीक्षा कक्ष में जमा किया जाएगा।
- यह निर्णय लिया गया कि शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ सभी एमओयू पर निदेशक शिक्षा द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और अनुसंधान / विस्तार उद्देश्य के लिए एमओयू पर संबंधित निदेशकों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके अलावा, केवल अपने स्तर पर शैक्षणिक उद्देश्य के लिए किसी भी विदेशी विश्वविद्यालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए राजस्थान के एसएयू के अधिनियम और कानून में एक खंड जोड़ने के लिए राजस्थान सरकार के समक्ष एक प्रस्ताव रखा जाएगा। आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली ने पहले ही भारत के सभी एसएयू को इस संबंध में निर्देश दे दिया है। सभी एमओयू को अकादमिक / अनुसंधान विस्तार परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाएगा और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए CIMCA को प्रस्तुत किया जाएंगे।
- विश्वविद्यालय द्वारा जेईटी मानदंड नयम /प्री पीजी टेस्ट मेरिट को अपनाते हुए मॉप–अप /फाइनल राउंड काउंसलिंग के बाद यूजी, पीजी और पी.एच.डी. डिग्री कार्यक्रमों में आई.सी.ए.आर. /जेईटी प्रवेश परीक्षा कि रिक्त सीटों को भरने का निर्णय लिया गया। जो छात्र पहले से ही राजस्थान के किसी भी एसएयू के किसी भी संघटक कॉलेज / सरकारी या निजी कृषि कॉलेज में प्रवेश ले चुके हैं स्पॉट काउंसलिंग में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे।

- यह सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया कि आई.सी.ए.आर. काउंसलिंग के समय उम्मीदवार द्वारा जमा की गई फीस को आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा आवंटित कॉलेज में उसके पंजीकरण के समय कॉलेज शुल्क में समायोजित किया जाएगा।
- पी.एच.डी. छात्र की आवासीय आवश्यकता की अवधि और पी.एच.डी. में विश्वविद्यालय मेरिट छात्रवृत्ति की अवधि को पी. एच.डी. डिग्री कार्यक्रम के पांचवें सेमेस्टर से छठे सेमेस्टर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया।
- शैक्षणिक सत्र 2024–25 से एल.पी.एम. में 2 सामान्य और 1 भुगतान सीट की प्रवेश क्षमता के साथ एम.एस.सी. (एजी.) डिग्री कार्यक्रम जारी रखने का निर्णय लिया गया।
- सर्वसम्मति से अंतिम बाउंड थीसिस जमा करने की समय सीमा 15 दिन से बढ़ाकर एक माह करने का निर्णय लिया गया। पहले 15 दिन बीतने के बाद अगले 15 दिन तक थीसिस जमा करने पर 100/– रूपये प्रतिदिन की दर से जुर्माना लिया जाएगा। मौखिक परीक्षा की तारीख से थीसिस जमा करने के लिए एक महीने की समय सीमा पार करने के बाद, किसी भी परिस्थिति में थीसिस को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अधिकारियों द्वारा अनुमोदन के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा और इस प्रकार छात्र की डिग्री रद्द कर दी जाएगी।
- पी.एच.डी. की व्यापक परीक्षा का तरीका तय किया गया।
- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में शैक्षणिक सत्र 2024–25 से कृषि सांख्यिकी विभाग में एम. एस. सी. (एजी.) डिग्री कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया।
- यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आई.सी.ए.आर. कार्यालय आदेश के अनुसार 2 (1.1) क्रेडिट घंटे के साथ प्राकृतिक खेती के सिद्धांत और अभ्यास नामक पाठ्यक्रम को बी.एस.सी. (ऑनर्स), कृषि साथ ही वी.एस.सी. (ऑनर्स) बागवानी में एक अनिवार्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया जाएगा।
- सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर – भरतपुर/फतेहपुर शेखावाटी/लालसोट की प्रवेश क्षमता को यूजी डिग्री कार्यक्रम के लिए 60 सीटों से बढ़ाकर 120 सीटें कर दिया गया है, जिसमें 80 सीटें सामान्य होंगी और 40 सीटें पेड सीट होंगी। ईडब्ल्यूएस सीटें राजस्थान सरकार के नियमों के अनुसार होंगी।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) बागवानी का पाठ्यक्रम अनुमोदित किया गया।
- निर्णय लिया गया कि आर.ए.आर.आई., दुर्गापुरा जयपुर में प्लांट फिजियोलॉजी विषय में पी.एच.डी. कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2023–24 से 03 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ शुरू किया जाएगा, जिसमें 02 सीटें सामान्य और 01 पेड सीट होगी।
- सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मृदा विज्ञान विषय में एम.एस.सी. कार्यक्रम आर.ए.आर.आई., दुर्गापुरा – जयपुर में शैक्षणिक सत्र 2023–24 से 03 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ शुरू किया जाएगा, जिसमें 02 सीटें सामान्य और 01 पेड सीट होगी।
- आर.ए.आर.आई., दुर्गपुरा में चल रहे पीजी विभागों के विभागाध्यक्ष को विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष के स्थान पर आर.ए. आर.आई. परिसर में नामांकित पीजी छात्रों के विभिन्न प्रमाणपत्रों /प्रारूपों/ दस्तावेजों/थीसिस हस्ताक्षरकर्ता / हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकारी मानने के लिए निर्णय लिया गया।
- यह निर्णय लिया गया कि CAS के तहत पात्रता मानदंड की आंशिक पूर्ति के लिए 21 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा करने के लिए केवल एक शैक्षणिक वर्ष की छूट दी जाएगी और यह COVID–19 महामारी की अवधि होगी।
- एम.एस.सी. की मध्यावधि और अंतिम सैद्धांतिक परीक्षाओं में बहुविकल्पीय प्रश्नों और रिक्त प्रकार के प्रश्नों को बाहर करने का निर्णय लिया गया।
- स्नातकोत्तर परीक्षा सेल की स्थापना, संरचना, नामकरण और दिशानिर्देशों को मंजूरी दी गई।

- सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर और एस. एम. एस. के सीधे चयन के लिए एपी. आई. के स्कोर कार्ड में यू.जी./पी.जी./पी.एच.डी. स्तर में प्रत्येक स्वर्ण पदक के लिए एक अंक दिया जाएगा।
- यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निदेशक, आर.ए.आर.आई. अन्य डीन और निदेशकों के बराबर अकादमिक परिषद के पदेन सदस्य होंगे। इसके अलावा एसो. डीन, यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन और समन्वयक, पीजी परीक्षा सेल, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर विश्वविद्यालय प्रमुखों के समकक्ष अकादमिक परिषद के सदस्य होंगे। बी.ओ. एम. की आगामी बैठक के अनुमोदन के बाद श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालयू, जोवनेर के अधिनियम और कानून में परिवर्तन शामिल होंगे।

शोध परिषद्

विश्वविद्यालय में शोध संबंधी कार्यो हेतु एक शोध परिषद कार्यरत है जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की शोध परिषद् के सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	नाम व पद	
1.	कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	निदेशक कृषि, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
3.	निदेशक उद्यान, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
4.	निदेशक मत्स्य, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
5.	मुख्य वनरक्षक, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
6.	समस्त निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• निदेशक प्रसार शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	पदेन सदस्य
	• निदेशक, शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन विकास	पदेन सदस्य
	• निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
7.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री क.न.कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (अलवर)	पदेन सदस्य

	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय,जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
8.	समस्त क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
9.	समस्त कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र	
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूतली	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)	सदस्य
10.	समस्त विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• शस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौध व्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्र कृमि विभाग	सदस्य
11.	दो विख्यात वैज्ञानिक	
	• डॉ. एस. आर. मालू, पूर्व अधिष्ठाता, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	सदस्य
	• डॉ. आर. के पन्नू, पूर्व अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिसार	सदस्य
12.	निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

प्रसार शिक्षा परिषद्

प्रसार संबंधी कार्यो के प्रसार शिक्षा परिषद है जिसके सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रसार शिक्षा परिषद् के सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	नाम और पद	
1.	कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	सचिव कृषि विभाग, राजस्थान सरकार (सहायक मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव कृषि विभाग)	सदस्य
3.	निदेशक कृषि/निदेशक उद्यान/निदेशक मत्स्य/मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान सरकार	सदस्य
4.	सभी निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• निदेशक अनुसंधान	सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	सदस्य
	• निदेशक, शिक्षा	सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण	सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन विकास	सदस्य
	• निदेशक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	सदस्य
5.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री क.न.कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास (अलवर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य

6.	क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
7.	कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र	
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, दोसा	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूतली	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• सस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्र कृमि विभाग	सदस्य
9.	प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त मुख्य वैज्ञानिक	
	• डॉ. जे. पी. एस. दाबास प्रधान वैज्ञानिक CATAT, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य

	• डॉ. सुभाष बलोदा, निदेशक, प्रसाद शिक्षा निदेशालय, SKRAU बीकानेर	विशेष आमंत्रित सदस्य
10.	प्रगतिशील कृषक	
	• श्री सुण्डाराम वर्मा, दांतारामगढ़, सीकर	सदस्य
	• श्री गंगाराम सेपट, सेपट ऑग्रेनिक कृषि फार्म, कालख, जोबनेर	सदस्य
	• श्री खेमाराम, ग्राम–बस्सी झाझड़ा, जोबनेर, जयपुर	सदस्य
11.	संस्थाओं के प्रतिनिधि	
	• निदेशक ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• अधीक्षण अभियंता सिचाई विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• राज्य विपणन प्रबंधक ईफको, राजस्थान	सदस्य
	• महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य बीज निगम, जयपुर	सदस्य
12.	निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय में कार्यरत अधिकारी

विश्वविद्यालय में वर्तमान में निम्न अधिकारी विभिन्न पदों पर कार्यरत है।

कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत अधिकारी

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह	कुलपति
2.	श्री राम रतन शर्मा	कुलसचिव
3.	श्री बी. एल. बंजारा	वित्त नियंत्रक
4.	डॉ. बी. एल. ककरालियां	निदेशक, अनुसंधान
5.	डॉ. सुदेश कुमार	निदेशक, प्रसार शिक्षा
6.	डॉ. एस. के. खण्डेलवाल	निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एंव मूल्यांकन
7.	डॉ. एन. के. गुप्ता	निदेशक, शिक्षा
8.	डॉ. एम. एल. जाखड	निदेशक, मानव संसाधन विकास
9.	डॉ. आई.एम. खान	निदेशक, छात्र कल्याण
10.	डॉ. आर. एन. शर्मा	परीक्षा नियंत्रक
11.	डॉ. बी. एल. जाट	संकाय अध्यक्ष एंव अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
12.	डॉ. महेश दत्त	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
13.	डॉ. उदयभान सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
14.	डॉ. एस.आर. ढाका	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
15.	डॉ. ए.एस. बलोदा	निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर
16.	डॉ. सुनीता गुप्ता	विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष
17.	श्री लखबीर सिंह	भू–सम्पत्ति अधिकारी
18.	डॉ. उदयभान सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)

19.	डॉ. आर.पी. जाट	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई, निवाई, टोंक
20.	डॉ. आर.एस. मीना	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (वैर) भरतपुर
21.	डॉ. सुमन खण्डेलवाल	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नौगांवा, अलवर
22.	डॉ. सुरेन्द्र सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली, जयपुर
23.	डॉ. एम.पी. यादव	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास, अलवर
24.	डॉ. हरफूल सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी, सीकर
25.	डॉ. अतह रूद्दीन मलिक	अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
26.	डॉ. ए. सी. शिवरान	अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय एंव प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर

विभागाध्यक्ष

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत विभागाध्यक्ष (कृषि संकाय)

क्र. सं.	विभाग का नाम	नाम
1.	शस्य विज्ञान विभाग	डॉ., ए. सी. शिवरान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2.	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	डॉ. के. के. शर्मा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
3.	कीट विज्ञान विभाग	डॉ. अख्तरइ हुसैन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
4.	पौध व्याधि विभाग	डॉ. शैलेश गोदिका, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
5.	प्रसार शिक्षा विभाग	डॉ. के. सी. शर्मा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
6.	उद्यान विभाग	डॉ. एम. के. शर्मा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
7.	पादप प्रजनन विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
8.	पादप कार्यिकी विभाग	डॉ. सुनीता गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
9	जैव रसायन विभाग	अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
10	पशुधन संवर्धन विभाग	डॉ. जुनैद अख्तर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
11	कृषि अर्थशास्त्र विभाग	अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
12	कृषि सांख्यिकी विभाग	डॉ. किरन गौड, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
13	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
14	सूत्र कृमि विभाग	अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

2. विभिन्न संवर्गो के पदों का विवरण

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न संवर्गो में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की संख्या।

क्र. सं	पद (संवर्ग)	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
								75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत					
		स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	आचार्य	09	01	08	01	01	00	02	02	00	00	00	00	12	04	08
2	सह–आचार्य	43	05	38	28	11	17	13	07	06	00	00	00	84	23	61
3	सहायक आचार्य	162	78	84	119	97	22	36	34	02	00	00	00	317	209	108
4	अधिकारी संवर्ग	07	01	06	43	15	28	01	00	01	56	29	27	107	45	62
5	मंत्रालयिक संवर्ग	7	38	39	100	32	68	00	00	00	16	00	16	193	70	123
6	तकनीकी संवर्ग	105	32	73	124	11	113	48	19	29	40	03	37	317	65	252
7	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	173	59	114	73	13	60	03	01	02	16	04	12	265	77	188
	कुल योग	**576**	**214**	**362**	**488**	**180**	**308**	**103**	**63**	**40**	**128**	**36**	**92**	**1295**	**493**	**802**

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों का विस्तृत विवरण

क्र.सं.	पद नाम	संवर्ग	पे लेवल	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
										75:25 प्रतिशत (AICRP)			100 प्रतिशत (केवीके)					
				स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त
1	आचार्य	शैक्षणिक	एएल–14	09	01	08	01	01	00	02	02	00	00	00	00	12	04	08
2	सह–आचार्य		एएल–13ए	43	05	38	28	11	17	13	07	06	00	00	00	84	23	61
3	सहायक आचार्य		एएल–10	162	78	84	119	97	22	36	34	02	00	00	00	317	209	108
	योग शैक्षणिक संवर्ग			**214**	**84**	**130**	**148**	**109**	**39**	**51**	**43**	**08**	**00**	**00**	**00**	**413**	**236**	**177**
		अधिकारी संवर्ग		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	कुलपति		210000	0	0	0	01	01	00	0	0	0	0	0	0	01	01	00
2	कुल सचिव		आर.ए.एस.	0	0	0	01	01	00	0	0	0	0	0	0	01	01	00
3	वित नियंत्रक		रा.ले.सेवा	0	0	0	01	01	00	0	0	0	0	0	0	01	01	00
4	निदेशक		एएल–14	01	00	01	05	00	05	0	0	0	0	0	0	06	00	06
5	अधिष्ठाता		एएल–14	01	00	01	12	00	12	0	0	0	0	0	0	13	00	13
6	भू–सम्पति अधिकारी		एल–16	0	0	0	01	00	01	0	0	0	0	0	0	01	00	01
7	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष		एएल–13ए	0	0	0	00	00	00	0	0	0	08	05	03	08	05	03
8	एस.एम.एस.		एल–14	0	0	0	00	00	00	0	0	0	48	24	24	48	24	24
9	अधीक्षक शारीरिक शिक्षा		एएल–10	0	0	0	01	00	01	0	0	0	0	0	0	01	00	01
10	तकनीकी अधिकारी		एएल–10	0	0	0	00	00	00	01	00	01	0	0	0	01	00	01
11	परीक्षा नियंत्रक		एल–17	0	0	0	01	00	01	0	0	0	0	0	0	01	00	01
12	निजि सचिव (कुलपति)		एल–15	0	0	0	01	00	01	0	0	0	0	0	0	01	00	01
13	सुरक्षा अधिकारी			0	0	0	01	00	01	0	0	0	0	0	0	01	00	01
14	सहायक.पुस्तकालयाध्यक्ष		एएल–10	01	00	01	11	09	02	0	0	0	0	0	0	12	09	03
15	लेखाधिकारी		एल–14	01	00	01	01	00	01	0	0	0	0	0	0	02	00	02
16	सहायक कुल सचिव		एल–14	01	00	01	04	02	02	0	0	0	0	0	0	05	02	03
17	विधि अधिकारी		एल–15				01	00	01	0	0	0	0	0	0	01	00	01
18	सहायक अभियंता		एल–14	02	01	01	0	0	0	0	0	0	0	0	0	02	01	01
19	उप–निदेशक अनु.फार्म		एएल–13ए				01	01	00	0	0	0	0	0	0	01	01	00
	योग अधिकारी संवर्ग			**07**	**01**	**06**	**43**	**15**	**28**	**01**	**00**	**01**	**56**	**29**	**27**	**107**	**45**	**62**

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

क्र.सं	संस्थान	पद का नाम	गैर आयोजना			राज्य आयोजना			आयोजना (आइ.सी.ए.आर.)					
									75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत		
			स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	88	52	36	01	00	01	09	09	00	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	164	56	108	01	00	01	11	04	07	0	0	0
2	कृषि महाविद्यालय, लालसोट	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	16	10	06	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	30	04	26	0	0	0	0	0	0
3	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर शेखावाटी	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	18	09	09	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	28	07	21	0	0	0	0	0	0
4	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर, भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	12	02	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	16	03	13	0	0	0	0	0	0
5	कृषि महाविद्यालय, नौगांवा–अलवर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	12	02	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	15	03	12	0	0	0	0	0	0
6	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी–धोलपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	08	06	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	14	02	12	0	0	0	0	0	0
7	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली–जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	12	02	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	14	03	11	0	0	0	0	0	0
8	कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास–अलवर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	07	07	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	13	01	12	0	0	0	0	0	0
9	कृषि महाविद्यालय, भुसावर (वैर) भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	11	03	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	01	16	0	0	0	0	0	0
10	कृषि महाविद्यालय, झिलाई–निवाई–टोंक	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	10	04	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	03	14	0	0	0	0	0	0
11	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी–नीमकाथाना–सीकर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	14	00	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	01	16	0	0	0	0	0	0
12	डेयरी एवं प्रोद्योगकी महाविद्यालय, जोबनेर–जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	12	07	05	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	00	17	0	0	0	0	0	0
13	उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा–जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	00	14	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	16	00	16	0	0	0	0	0	0
14	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	62	15	47	0	0	0	39	33	06	0	0	0
15	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर शेखावाटी–सीकर	शैक्षणिक / अधिकारी	28	07	21	0	0	0	03	01	02	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	19	08	11	0	0	0	03	00	03	0	0	0
16	कृषि अनुसंधान केन्द्र, नौगांवा, अलवर।	शैक्षणिक / अधिकारी	20	06	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	29	12	17	0	0	0	0	0	0	0	0	0
17	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, डिग्गी–टोंक।	शैक्षणिक / अधिकारी	08	01	07	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	09	02	07	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी–अजमेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	03	01	02	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	08	03	05	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, कोटपूतली–जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	02	02	00	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	06	01	05	0	0	0	0	0	0	0	0	0
20	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	07	00	07	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	08	03	05	0	0	0	0	0	0	0	0	0

21	कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	04	03
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	00	09
22	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	05	02
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	01	08
23	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, (भरतपुर)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	03	04
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	02	07
24	कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांवा (अलवर)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	06	01
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	02	07
25	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर शेखावाटी	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	05	02
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	02	07
26	कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेडा (कोटपूतली)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	03	04
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	00	09
27	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	03	04
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	01	08
28	कृषि विज्ञान अरनिया (सीकर)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	07	00	07
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	09	00	09
29	प्रशासनिक कार्यालय, श्रीकनकृविवि. जोबनेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	18	12	06	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	77	26	51	0	0	0	0	0	0
30	कोष कार्यालय, श्रीकनकृविवि. जोबनेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	01	00	01	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	17	09	08	0	0	0	0	0	0	0	0	0
31	भू–सम्पति कार्यालय श्रीकनकृविवि. जोबनेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	02	01	01	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	09	01	08	0	0	0	0	0	0	0	0	0
32	आई. एफ. एस. (ई.सी.एफ.) स्कीम, कुम्हेर–भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	01	00	01	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	05	00	05	0	0	0
33	प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्रीकनकृविवि., जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	00	00	00	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	01	01	00	0	0	0	0	0	0
34	विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय, जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	00	00	00	0	0	0	0	0	0
35	विश्वविद्यालय केन्द्रीय पूल कार्यालय, जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	00	00	00	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	02	02	00	0	0	0	0	0	0

विभिन्न वर्गो के कर्मचारियों की संख्या

क्र. सं.	वर्ग	अधिकारी / शैक्षिक वर्ग 2022–2023		गैर–शैक्षिक वर्ग 2022–2023		अधिकारी / शैक्षिक वर्ग 2023–2024		गैर–शैक्षिक वर्ग 2023–2024	
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
01.	सामान्य	86	21	122	15	126	13	107	13
02.	अनुसूचित जाति	28	3	24	7	38	5	20	7
03.	अनुसूचित जनजाति	20	0	14	2	26	1	10	2
04.	अन्य पिछड़ा वर्ग	29	2	46	6	48	8	42	6
05.	विशेष पिछड़ा वर्ग	0	0	0	0	1	0	0	0
06.	विकलांग	4	0	0	0	7	0	0	0
07.	अल्पसंख्यक	6	0	6	0	8	0	5	0
	कुल	**173**	**26**	**212**	**30**	**254**	**27**	**184**	**28**

3. बजट मद

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2023 तक)

क्रंसं.	विवरण	प्राप्त राशि	व्यय राशि
		2023–24	**2023–24**
		(रूपये लाख)	**(रूपये लाख)**
1.	राज्य आयोजना + गैर आयोजना	11278.50	11278.50
2.	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर .के.वी.वाई)	77.92	77.92
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र	705.09	795.47
4.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (75% : 25%)	758.25(75%)	721.65 (75%)
5.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (100%)	15.70	7.55
6.	उच्च कृषि शिक्षा का सुदृढ़ीकरण एवं विकास (आई.सी.ए.आर)	11.68	9.82
7.	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार (एम.ए.जी)	37.19	2.62
8.	निजी वित्त पोषित परियोजनाएं	45.84	14.28
9.	अन्य केन्द्र प्रायोजित परियोजनाएं (ओ.सी.एस)/CSA	48.69	34.94
कुल		**12978.86**	**12942.74**

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2023 तक)

क्र. सँ.	बजट मद	परियोजना का नाम	स्थान	प्राप्त राशि (रू लाखों में)	व्यय राशि (रू लाखों में)
1.	7-T(95)	अखिल भारतीय समन्वित गेंहू एवं जौ अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	89.07	116.53
2.	7-T(29)	अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	104.82	120.23
3.	7-T(27)	अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	35.08	54.62
4.	7-T(30)	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	77.92	78.13
5.	7-T(94)	अखिल भारतीय कीट नाशक अवशेष नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा जयपुर	12.00	28.61
6.	7-T(79)	अखिल भारतीय समन्वित तारामीरा अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर	40.00	30.17
7.	7-T(05)	अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	32.40	60.33
8.	7-T(60-A)	अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रोद्यौगिक अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	40.00	33.51
9.	7-T(14)	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्रीय फल अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर	40.00	85.91

10.	7-T(43)	अखिल भारतीय समन्वित मूंग, उड़द, मसूर, अरहर, राजमा व मटर अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	40.50	56.47
11.	7-T(41)	अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना,	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	52.63	75.30
12.	7-T(40)	अखिल भारतीय सफेद लट और मृदा आर्थोपोड़ नेटवक्र अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	91.18	104.80
13.	7-T(156)	अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवक्र अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	9.00	6.98
14.	7-T(91)	अखिल भारतीय समन्वित कृषि वानिकी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	10.75	15.36
15.	7-T(13)	अखिल भारतीय शुष्क दलहन नेटवक्र अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	52.00	56.33
16.	7-T(2)	अखिल भारतीय सूत्र कृमि अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	1.40	0.32
17.	7-T(76)	अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	29.50	38.60

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्राप्त व व्यय राशि का विवरण

क्र.सँ.	कृषि विज्ञान केन्द्र		
	वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2023 तक)	**प्राप्त राशि (रूपये लाखं)**	**व्यय राशि (रूपये लाखं)**
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	66-95	52-38
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	89-01	103-37
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	72-97	93-47
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	108-45	157-76
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	63-97	72-91
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	124-09	129-69
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	26-50	42-95
8.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया	113-02	117-85
	कुल	**664-66**	**770-38**
	प्रसार शिक्षा निदेशालय	2-50	1-94
	योग	**2-50**	**1-94**

अन्य			
9	एन. आई. सी. आर. ए.	16-44	10-24
10	डी. ए. एम. यू. धोलपुर	13-58	9-09
11	ए. आर. वाई. ए. अलवर	3-04	0-47
12	किसान मेला	0-00	0-00
13	अन्य	4-87	3-35
	योग	**37-93**	**23-15**
	कुल योग	**705-09**	**795-15**

4. प्रमुख सिविल कार्य एवं प्रगति

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख सिविल कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति:

अ. बजट मद – राज्य आयोजना

क्र. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2023 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	कुल स्वीकृत राशि	
1	**एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में**							
A	आसलपुर फार्म पर चार दिवारी का निर्माण का कार्य	–	–	36.00	66.00	–	102.00	97.00
B	आवासीय भवनों की मरम्मत का कार्य	–	–	15.00	40.00	60.00	115.00	46.00
C	विरासत भवन (बाल मन्दिर) के जिर्णोद्धार का कार्य	–	–	50.00	25.00	–	75.00	74.00
2	**कृषि महाविद्यालय भरतपुर में**							
A	चार दिवारी का निर्माण कार्य	–	–	–	53.00	–	53.00	44.00
B	हॉस्टल वार्डन के आवासीय भवन का निर्माण कार्य	–	–	15.00	–	–	15.00	0.19
3	**कृषि महाविद्यालय फतेहपुर में**							
A	हॉस्टल वार्डन के आवासीय भवन का निर्माण कार्य	–	–	15.00	–	–	15.00	7.80
4	**कृषि महाविद्यालय लालसोट में**							
A	चार दिवारी निर्माण का कार्य		23.00	80.00	–	–	103.00	77.00
B	एकादमिक ब्लोक–II का कार्य	23.00	–	–	–	–	23.00	–
5	**कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.82	1419.82	912.97
B	हॉस्टल वार्डन के आवासीय भवन का निर्माण कार्य	–	–	15.00	–	–	15.00	–
C	आवासीय भवनों की मरम्मत का कार्य	–	–	10.00	–	–	10.00	–
6	**कृषि महाविद्यालय, किशनगढ बास, अलवर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.82	1419.82	912.97
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	–	–	160.00	–	–	160.00	80.00
7	**कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.00	1420.00	913.00

8	**कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली, जयपुर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.00	1420.00	913.00
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	–	–	160.00	–	–	160.00	157.00
9	**कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी सीकर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.20	1420.20	742.00
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	–	–	–	180.00	–	180.00	40.00
10	**कृषि महाविद्यालय, भुसावर, भरतपुर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.91	1419.91	442.00
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	–	–	–	150.00	–	150.00	50.00
11	**कृषि महाविद्यालय, झिलाई, टोंक में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.99	1419.99	442.00
	चार दिवारी निर्माण का का	–	–	–	150.00	–	150.00	50.00
12	**डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर, जयपुर में**							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.00	1420.00	742.00
	कुल	**23.00**	**23.00**	**556.00**	**734.00**	**11419.74**	**12755.74**	**6768.50**

ब. बजट मद – राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

क्र.सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2023 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	कुल स्वीकृत राशि	
1	Shade for formulation preparation furniture etc. Under RKVY-31	–	–	15.00	–	–	15.00	15.00
2	Iron sheet Cabin/Room for automation unit under RKVY-30	–	–	5.00	–	–	5.00	5.00
3	Seed storage under RKVY - 30	–	–	20.00	–	–	20.00	20.00
4	Construction of Approach Road, Retaining wall, farm store, vermi compost unit & Land Levelling work at COA, Lalsot under RKVY - 33	–	–	145.00	–	–	145.00	65.50
	कुल	–	–	185.00	–	–	185.00	105.50

स. बजट मद – भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद (उच्च कृषि शिक्षा के सुदृढ़ीकरण एवं विकास)

क्र. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2023 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस. के. एन. कृषि महाविद्यालय जोबनेर में कन्या छात्रावास के निर्माण का कार्य	80.00	50.00	–	–	–	130.00	119.85
2	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में SC लाभार्थियों के लिए आवासीय सुविधा के साथ कौशल विकास/प्रशिक्षण केन्द्र निर्माण का कार्य	–	63.78	–	–	–	63.78	63.78
	कुल	80.00	113.78	–	–	–	193.78	183.63

द. बजट मद – अन्य

क्र. सं.	कार्य का नाम		उपलब्ध राशि रू लाखों में					आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2023 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2019–20	स्वीकृत राशि 2020–21	स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में सरस्वती भवन के रिनोवेशन का कार्य	–	50.00	–	–	–	50.00	50.00
2	के.वी.के. कोटपुंतली मे कार्यालय सह प्रयोगशाला का निर्माण कार्य	–	48.00	–	–	–	48.00	48.00
3	7–टी–21 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में सीड हब का निर्माण कार्य	–	35.00	–	–	–	35.00	35.00
4	7–CSA–148 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, नवगांव, अलवर में प्रशिक्षण हॉल का निर्माण कार्य	–	24.00	24.00	30.19	–	78.19	78.19
5	7–CSA–148 के तहत के.वी.के. नवगांव, अलवर में प्रशिक्षण हॉल का निर्माण कार्य	–	24.00	24.00	28.08	–	76.08	76.08
6	7–CSA–148 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, नवगांव, अलवर में किसान छात्रावास का निर्माण कार्य	–	16.50	16.50	21.99	–	54.99	54.99
7	7–CSA–148 के तहत के.वी.के. नवगांव, अलवर में एग्री मशीनरी बैंक के लिए शेड का निर्माण कार्य	–	30.00	–	20.00	–	50.00	50.00
8	8–07–KVK, Kotputli के तहत के.वी.के. कोटपुतली मे किसान प्रशिक्षण हॉस्टल का निर्माण कार्य	–	–	45.00	41.50	27.00	113.50	88.08
9	8–09–KVK, Arnia के तहत के.वी.के. अर्निया में किसान प्रशिक्षण हॉस्टल का निर्माण कार्य	–	–	20.00	41.50	30.00	91.50	69.83
10	8–09–KVK, Arnia के तहत के.वी.के. अर्निया में प्रशासनिक भवन का निर्माण का कार्य	–	–	33.00	18.00	82.00	133.00	117.75
	कुल	–	**227.50**	**162.50**	**201.26**	**139.00**	**730.26**	**667.92**

5. | कृषि शिक्षा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक चौदह महाविद्यालय हैं, जिसमे से 11 कृषि महाविद्यालय है जो जोबनेर, लालसोट (दौसा), कुम्हेर (भरतपुर), फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर), नवगांव (अलवर), कोटपुतली, बसेड़ी (धौलपुर), किशनगढबास, (अलवर), भुसावर (भरतपुर), झिलाई–निवाई–(टोंक), पीथमपुरी–नीम का थाना (सीकर) में स्थापित है। इसके अलावा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, जोबनेर, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर–जयपुर एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर में स्थित है। विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2023–24 में चौदह संघटक महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 743 सीटों पर प्रवेश दिया गया है। स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में चलाया जा रहा है, शैक्षणिक सत्र 2023–24 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 96 सीटों व विद्यावाचस्पति में 52 सीटों पर प्रवेश दिया गया है। इस प्रकार संघटक महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम में 2566, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 135 व विद्यावाचस्पति में 78 छात्र अध्ययनरत है। इस प्रकार श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में कुल अध्ययनरत छात्रों की संख्या 2779 है। इस कृषि विश्वविद्यालय से 14 राजकीय कृषि महाविद्यालय संबंद्ध हैं जिसमें कुल अध्यनरत छात्रों की संख्या 1552 है एवं 10 निजी कृषि महाविद्यालय भी इस कृषि विश्वविद्यालय से संबंद्ध हैं जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या 2583 है। कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश, राज्य स्तरीय सयुंक्त प्रवेश परीक्षा (JET) के द्वारा, स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा के द्वारा प्रवेश दिया जाता है। शिक्षा के बारे में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्न तालिकाओं में दर्शायी गई हैं।

1. विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि में अध्यनरत विद्यार्थियों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2023–24)

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम का वर्ष					कुल
		I	II	III	IV	V	
1.	विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय	743	624	654	533	12	**2566**
2.	विश्वविद्यालय से सम्बद्व महाविद्यालय						
अ.	राजकीय कृषि महाविद्यालय	760	514	105	114	0	**1552**
ब.	निजी कृषि महाविद्यालय	567	602	722	751	0	**2583**
	योग (2)	1327	1116	827	865	0	**41 35**
	कुल योग (12)	**2070**	**1740**	**1481**	**1398**	**12**	**6701**

2. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में विभिन्न विभागों में कुल स्वीकृत सीट व अध्यनरत छात्रों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2023–24

क्र. स.	विभाग का नाम	स्वीकृतसीट वर्ष 2022–23		अध्ययनरत विधार्थी वर्ष 2022–23		स्वीकृतसीट वर्ष 2023–24		अध्ययनरत विधार्थी वर्ष 2023–24	
		स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति
1.	शस्य विज्ञान	09	06	15	13	17	09	24	14
2.	पादपप्रजनन व आनुंवाशिकी	07	04	16	08	15	09	21	14
3.	उद्यानविज्ञान	07	04	13	10	15	09	19	11
4.	प्रसारशिक्षा	08	02	15	06	08	02	12	04
5.	कृषिअर्थशास्त्र	07	0	10	0	07	02	10	03

6.	मृदाविज्ञान	06	02	09	04	09	02	11	07
7.	पादपरोगविज्ञान	06	04	11	10	11	09	15	14
8.	कीटविज्ञान	06	04	11	11	11	09	16	11
9.	पादपकार्यिकी विज्ञान	05	0	08	0	05	–	05	–
10.	पशुधनउत्पादन व प्रबंधन	0	0	04	0	–	–	–	–
11	निमेटोलोजी	–	–	–	–	03	–	02	–
	योग	**61**	**26**	**112**	**62**	**101**	**51**	**135**	**78**

3. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न पाठयक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की वर्गवार संख्या

वर्ग	शैक्षणिक सत्र 2022–23			शैक्षणिक सत्र 2023–24		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
सामान्य	286	271	557	259	240	499
अनुसूचित जाति	248	102	350	250	107	357
अनुसूचित जनजाति	125	71	196	148	90	238
अन्य पिछड़ा वर्ग	726	447	1173	827	580	1407
विशेष पिछड़ा वर्ग	68	38	106	62	30	92
विकलांग	26	06	32	30	5	35
अल्पसंख्यक	22	28	50	26	33	59
आर्थिक पिछडा वर्ग	41	14	55	28	4	32
सैनिक कोटा	29	41	70	25	35	60
कुल	**1571**	**1018**	**2589**	**1655**	**1124**	**2779**

कुल छात्रों में महिला छात्रों का अनुपात 2022–23 में 39:32 एवं 2023–24 में 40:45 है।

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में स्थित छात्रावास व उनकी क्षमता

	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	क्षमता	वर्ष 2023–24 में रहने वाले छात्रों की सँख्या
अ	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर			
1.	रमन छात्रावास	51	99	41
2.	भाभा छात्रावास	103	103	59
3.	पाल छात्रावास	78	78	30
4.	अरविंदो छात्रावास	88	88	60
5.	महिला छात्रावास	77	117	108
6.	नया महिला छात्रावास	101	206	82
	कुल	**498**	**691**	**380**

ब	कृषि महाविद्यालय, लालसोट			
7.	अरावली छात्रावास	32	64	28
8.	विध्यांचल छात्रावास	14	28	13
9.	कन्या छात्रावास	18	36	18
	कुल	**64**	**128**	**69**

स	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर			
10.	नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल	22	44	76
11.	स्टाफ क्वार्टर	22	46	60
12.	अतिथि गृह	11		40
	कुल	55	90	176
द.	कृषि महाविद्यालय, भरतपुर			
	महिला छात्रावास	12	24	24
	कुल	12	24	24
य.	रा.कृ.अ.सं., दुर्गापुरा, जयपुर			
1-	महिला छात्रावास	10	10	10
	कुल	**10**	**10**	**10**

छात्रावास का निर्माण : कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली, बसेड़ी (धौलपुर), नौगांव (अलवर), झिलाई (टोंक), पीथमपुरी (नीम का थाना), किशनगढबास (अलवर) एवं डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर में छात्राओं के लिए नवीन छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

5. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में छात्रवृतियां 2022–23 व 2023–24

क्रं स.		शैक्षणिक सत्र 2022–23				शैक्षणिक सत्र 2023–24 *			
		स्नातक	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति	कुल	स्नातक	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति	कुल
1	कृषि विभाग छात्राओं को प्रोत्साहन राशि	846	45	39	930	670	64	38	102
2	समाज कल्याण विभाग	99	25	25	149	–	–	–	0
3	विशेष पिछड़ा वर्ग	8	–	–	8	–	–		0
4	आई. सी. ए. आर. – जे. आर. एफ. /एस.आर.एफ.	0	2	2	4	0	1	2	3
5	मेरिट स्कोलशिप	0	12	8	20	.	.	.	0
6	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (ICAR)	2	–	–	2	.	.	.	0
7	एन. टी. एस. (ICAR)	16	15	–	31	23	12	.	35
8	धानुका	0	2	3	5		2	3	5
	कुल	**971**	**101**	**77**	**1149**	**693**	**79**	**43**	**145**

* शैक्षणिक सत्र 2023–24 में छात्रवृति का कार्य प्रक्रियाधीन है।

उपलब्धियां

विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह का आयोजनः– श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के पांचवे दीक्षांत समारोह का आयोजन माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल राजस्थान, श्री कलराज जी मिश्रा की अध्यक्षता में दिनांक 16 मार्च 2023 को विश्वविद्यालय प्रांगण में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड पर आयोजित किया गया। इस समारोह में श्री लालचंद कटारिया, माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, राजस्थान सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस समारोह में 32 विद्यार्थियों को विद्यावाचस्पति, 75 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर एवं 985 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान करने के साथ ही 8 प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इस दीक्षांत समारोह में प्रो. (डॉ) बलराज सिंह, कुलाधिपति, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, डॉ. एस. के. खण्डेलवाल, कुल सचिव, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, डॉ. बी. एल. जाट, अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, प्रबंध मंडल, अकादमिक परिषद के सदस्यगण, अतिष्ठाता एवं निदेशकगणों की गरिमामय उपस्थिति रही।

दुर्गापुरा में उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापनाः– राजस्थान सरकार ने बजट बजट घोषणा 2023–24 के अंतर्गत श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के दुर्गापुरा (जयपुर) अधीन दुर्गापुरा (जयपुर) में एक नवीन उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है। इसके अनुक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा दुर्गापुरा में उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना कर दी गई है एवं अकादमिक सत्र 2023 24 के तहत 62 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है।

कृषि महाविद्यालय फतेहपुर में कृषि संकाय के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं को प्रारंभ करनाः–राजस्थान सरकार ने बजट घोषणा 2023–24 के अंतर्गत श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के संघटक कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर) में कृषि संकाय में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने इस बजट घोषणा के अनुक्रम में कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ कर दी गई है। अकादमी सत्र 2023 24 में इस महाविद्यालय में कृषि संकाय के चार विषयों क्रमशः शस्य विज्ञान, फल विज्ञान, मृदा विज्ञान एवं पौध व्याधि विज्ञान में स्नातकोत्तर कक्षाओं में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है।

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा पर स्नात्कोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठयक्रम प्रारंभः– विश्वविद्यालय के अधीन राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थानों, दुर्गापुरा पर कृषि उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के उददेश्य से स्नात्कोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठयक्रम प्रारंभ किया गया। संस्थान का भवन आवश्यक आधारभूत सुविधाओं से युक्त है जिसमें आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन कक्ष, संगणक कक्ष एवं इन्टनेट नेटवर्क हैं। संस्थान परिसर डिजिटल सीसीटीवी सर्विलेंस की सुविधा से युक्त है। छात्राओं की आवास सुविधा के लिए 10 कमरों का एक छात्रावास है। इस

संस्थान पर विद्यावाचस्पति पाठयक्रम की 5 विषयों में 25 सीटें तथा स्नात्कोत्तर कृषि पाठयक्रम की 6 विषयों में 28 सीटें स्वीकृत हैं। वर्तमान अकादमिक वर्ष 2023–24 में इस संस्थान में विद्यावाचस्पति के 26 एवं स्नात्कोत्तर के 23 विद्यार्थी अध्यनरत हैं।

परीक्षा परिणाम – इस अवधि में प्रथम सेमेस्टर में कुल 6219 विद्यार्थी पंजीकृत थे। परीक्षा परिणाम के आधार पर कुल 72 विद्यार्थियों को न्यूनतम ओजीपीए के आधार पर विश्वविद्यालय से निष्कासित किया गया तथा 2900 विद्यार्थियों के विषय बकाया रह गये।

इस वर्ष स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का विवरण निम्न प्रकार है–

विवरण	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति
स्वीकृत सिनोपसिस	108	16
मूल्यांकन हेतु थिसिस प्रेषित	70	32
परीक्षक द्वारा लंबित मूल्यांकित थिसिस	77	14
स्वीकृत व मूल्यांकित थिसिस	87	26

पुस्तकालय– विश्वविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना 2013 में श्री कर्ण नरेन्द कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के पुस्तकालय में की गई । विश्वविद्यालय पुस्तकालय का मौजूदा क्षेत्रफल लगभग 14000 वर्ग फुट है जो मुख्य रूप से सभी शिक्षकों एवं छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण और समर्पित सेवाएं प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय पुस्तकालय का प्राथमिक मिशन शिक्षकों, वैज्ञानिकों, छात्रों, शोधकर्ताओं, किसानों, प्रशिक्षुओं, कृषि अधिकारियों और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाइयों के अन्य उपयोगकर्ताओं को डिजिटल सूचना संसाधनों का अधिकतम उपयोग करके शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करना है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय का दृष्टिकोण विश्वविद्यालय के सभी संघटक कॉलेजों, संस्थानों और अन्य इकाइयों के लिए एक डिजिटल संसाधन शिक्षण केंद्र बनाना है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों के साथ–साथ पारंपरिक दस्तावेजों के व्यापक संग्रह एवं डिजिटल शिक्षण वातावरण का निर्माण करना है जिसमें RFID प्रणाली से सुसज्जित आधुनिक ICT बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं। पुस्तकालय में CCTV, UPS, AC, फोटो कॉपी मशीन, प्रिंटर, कंप्यूटर की सुविधा पुस्तकालय, परिसर और छात्रावास में 24X7 घंटे हाई–स्पीड वाई–फाई इंटरनेट, लैपटॉप जोन सुविधा के साथ इंटरनेट सर्फिंग प्रदान करते हैं। ऑनलाइन OPAC (वेब–ओपैक, सीईआरए ऑनलाइन जर्नल और, ऑनलाइन थीसिस, लाइफटाइम ई–बुक्स एक्सेस और डिजिटल डेटाबेस) सेवाएं भी प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में कृषि और संबद्ध विज्ञान की 54363 पुस्तकों का अत्यधिक विशिष्ट संग्रह है, जिसमें पुस्तकें, थीसिस, बाउंड जर्नल, सरकारी प्रकाशन, बुक बैंक पाठ्यपुस्तकें और सीडी–रोम आदि शामिल हैं। केंद्रीय पुस्तकालय में 34 भारतीय प्रिंट पत्रिकाओं, 7 समाचार पत्रों और 18 पत्रिकाओं की सदस्यता है। इसके अलावा, परिसर में 53 ई–बुक्स (लाइफटाइम एक्सेस), ई–जर्नल्स (सी.ई.आर.ए. एक्सेस) और आई.सी.ए.आर. ई–जर्नल्स की 24X7 घंटे की ऑनलाइन एक्सेस सुविधा भी उपलब्ध है। इस कॉलेज के सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए पठन सामग्री के चयन करने और परामर्श के लिए एक कम्प्यूटरीकृत बुक बैंक की सुविधा भी उपलब्ध है। जो कि विश्वविद्यालय के सभी संगठक महाविद्यालयों को प्रदान की गई है।

जुलाई 2023 के दौरान विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों में सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्तियाँ की गई हैं, जो सभी पुस्तकालयों को डिजिटल बनाने में मदद करेंगी और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के विभिन्न संघटक कॉलेजों के सभी छात्रों के लिए एक समान डेटा एक्सेस सुविधा प्रदान करेंगी। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय और संघटक कॉलेजों के लिए एक उन्नत नया को हाऑनक्लाउड (संस्करण 23.05) स्थापित किया गया है ताकि प्रत्येक उपयोगकर्ता हमारे सभी परिसरों में उपलब्ध डेटाबेस तक पहुंच सके।

जे.गेट. (सेरा) कार्यशाला – श्री कर्ण नरेन्द कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर द्वारा एक दिवसीय जे.गेट कार्यशाला का आयोजन दिनांक 02.11.2023 को किया गया। जे.गेट एक ऑनलाइन प्लेट फार्म है। जिसमें 50 हजार से भी ज्यादा इंडेक्स जर्नल, 64 करोड़

जनरल आर्टिकल व 16 हजार पब्लिशर इंडेक्स उपलब्ध है। इस कार्यशाला का आयोजन विधार्थियो को गुणवता युक्त शोध के लिए वर्ष 2001 से शुरु हुए इस ऑनलाइन प्लेट फार्म की जानकरी देना था।

डिजिटल संग्रह और अनुसंधान में प्लेग्रेजिम पर जागरूकता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन – कृषि महाविद्यालय जोबनेर में डिजिटल संग्रह और अनुसंधान में प्लेग्रेजिम पर संवेदन शीलता और जागरूकता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 29–30.11.2023 भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली व श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्व विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। डिजिटल रिपोजिटरी एक ऑन लाइन माध्यम है जिसका उपयोग विधार्थी अनुसंधान में शोध ग्रन्थों, तकनीकी रिर्पोट, अप्रकाशित कार्य, पुरानी मूल्यवान पुस्तके, संस्थागत प्रकाशनो का उपयोग गुणवात्ता युक्त शोध कार्यो में कर सकते है। जो कि विधार्थियो में ज्ञान कौशल बढाकर उन्हे आगे बढने की दिशा मे कारगर हो सकेगा।

6. | छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय छात्रों के संपूर्ण व्यक्तिव विकास के लिये कार्य कर रहा है। इसके अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस), एन.सी.सी. एवं एन.एस.ओ. की शाखायें स्थापित की गई है। इस निदेशालय के अधीन खेलकूद बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय में खेलकूद की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। सांस्कृतिक सचिव द्वारा विश्वविद्यालय में ललित कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजनाः – विश्वविद्यालय के संघटक 14 महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना की सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 इकाइयॉ स्थापित हैं। इन ईकाइयों में हर वर्ष की भांति पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर, एवं एक दिवसीय शिविरों का नियमित रुप से आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर द्वारा समय–समय पर निर्देशित विभिन्न कार्यक्रम जैसे–विश्व जल दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, महात्मा गांधी जयंती, शहीद दिवस, जन सुरक्षा पखवाडा, राष्ट्रीय सडक सुरक्षा सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, संविधान दिवस, हर घर तिरंगा, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंयती, बसंत पंचमी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्वयं सेवक छात्र–छात्राओं द्वारा समय– समय पर साफ–सफाई कर श्रमदान किया गया तथा श्रमदान के प्रति लोगो को जागरूक किया गया। नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड–2024 के लिये छात्रा हंसिका जीतरवाल, बी. एस.सी (ऑनर्स) कृषि, द्वितीय वर्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का चयन किया गया।

सात दिवसीय विशेष शिविर निम्नानुसार आयोजन किये गये : –

क्र.सं.	महाविद्यालय	दिनांक
1.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर।	19 से 25 फरवरी 2023
2.	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर)	20 से 26 मार्च 2023
3.	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	08 से 15 अक्टूबर 2022 20 से 26 फरवरी 2023
4.	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़बास (अलवर)	10 से 16 मार्च 2023
5.	कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	01 से 07 अक्टूबर 2023 15 से 21 मई 2023
6.	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	13 से 19 मार्च 2023
7.	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	04 से 10 जनवरी 2023
8.	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)	25 से 31 मार्च 2023
9.	कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	14 से 20 मार्च 2023

एन.सी.सी.इकाई: –

वर्ष 2023–24 में नामांकित छात्र–छात्राओं की संख्या निम्नानुसार है –

क्र.सं.	सर्टिफिकेट का नाम	2023–24		कुल
		छात्र	छात्रायें	
1.	बी सर्टिफिकेट प्रथम वर्ष	14	26	40
2.	बी सर्टिफिकेट द्वितीय वर्ष	14	20	34
3.	सी सर्टिफिकेट तृतीय वर्ष	18	14	32
	कुल	**46**	**60**	**106**

एन सी. सी. कैडेटों द्वारा 26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लिखित, शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) और साक्षात्कार के माध्यम से एन.सी.सी. में प्रथम वर्ष के कैडेटों का नामांकनः 11 अक्टूबर, 2023 महाराजा कॉलेज ग्राउंड, जयपुर में किया गया। एन.सी.सी. कैडेटों ने कमांडिंग ऑफिसर 1 राज के शेड्यूल और निर्देशों के अनुसार सभी जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। 67 कैडेटों ने 20 जुलाई से 29 जुलाई, 2023 तक सेंट सोल्जर पब्लिक स्कूल सी–स्कीम, जयपुर में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी) में भाग लिया। कैडेटों ने 21 जून, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 26 जुलाई 2023 को कारगिल विजय दिवस, 15 अगस्त, 2023, 02.10.2023 को महात्मा गांधी की जयंती, 26 नवंबर 2023 को एन.सी. सी. दिवस, कैडेटों ने पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण हेतु प्लास्टिक प्रदूषण जागरूकता रैली, 22 अप्रैल 2023 को विश्व पृथ्वी दिवस और लोगों को अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को शामिल करके स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 22 सितंबर 2023 को कॉलेज परिसर में फिट इंडिया आंदोलन के एक भाग के रूप में ''फिट इंडिया हिट इंडिया'' थीम पर एक रैली का आयोजन किया गया। कैडेटों ने 22 अगस्त 2023 को पार्थेनियम जागरूकता कार्यक्रम और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी कैडेटों ने 01.10.2023 को महात्मा गांधी की जयंती समारोह कार्यक्रम में ''एक तारीख एक घंटा'' कार्यक्रम में भाग लिया। 1 राज एन.सी.सी. बटालियन के शेड्यूल और निर्देशों के अनुसार एन.सी.सी. के लक्ष्य एवं उद्देश्य, भारत की धार्मिक, संस्कृति, परंपराएँ और रीति–रिवाज, राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान, अनेकता में एकता, राष्ट्रीय एकता परिषद, सामाजिकताः सामाजिक कौशल, आवश्यक सेवाएँ एवं उनका रखरखाव, प्राकृतिक/अन्य आपदाओं के दौरान सहायताः बाढ़/चक्रवात/भूकंप/दुर्घटना आदि, आतंकवाद का मुकाबला, तनाव प्रबंधन कौशल, आपदा प्रबंधन के दौरान राहत शिविर की स्थापना, समूह/टीम कार्य का महत्व, पारस्परिक संबंध और संचार, राष्ट्रीय हित, उद्देश्य, खतरे और अवसर, यातायात नियंत्रण संगठन और नशे में ड्राइविंग विरोधी, यौन उत्पीड़न से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम 2012 के प्रावधान, स्वच्छता केम्प

(व्यक्तिगत एवं खाद्य स्वच्छता), रॉक क्लाइम्बिंग, राष्ट्रीय एकता की समस्याएँ /चुनौतियाँ, मनोवृत्ति–मुखरता और बातचीत, सामान्य चिकित्सा आपात स्थितियों में होम नर्सिंग और प्राथमिक चिकित्सा की बुनियादी बातें, साइकिल चलाना/ट्रेकिंग, संघर्ष के उद्देश्यों का समाधान, संचार कौशल, समूह चर्चा/व्याख्यान, राष्ट्रीय एकता के लिए छवियाँ /नारे, नशीली दवाओं का दुरुपयोग और उसकी तस्करी, बाधा कोर्स, पैरासेलिंग, ऐतिहासिक उदाहरणों के साथ प्रभावी नेतृत्व, समय प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रणः जल, वायु, शोर और मिट्टी, भ्रष्टाचार, सामाजिक कुरीतियाँ अर्थात। दहेज/कन्या भ्रूण हत्या/बाल शोषण एवं तस्करी आदि, ऊर्जा संरक्षण, कौशल को प्रभावित करना, मूल्य/आचार संहिता और भारत की वन्यजीव संरक्षण परियोजनाएँ आदि विषयों पर कक्षाएं आयोजित की गई हैं।

अन्तर महाविद्यालय खेलकुद प्रतियोगिताः – अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 8 नवंबर, 2023 तक श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में किया गया, जिसमें चौदह संघटक कृषि महाविद्यालय शामिल हुए। इसमें श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय लालसोट, कुम्हेर, नवगांव, फतेहपुर, कोटपूतली, किशनगढ़बास, बसेड़ी, पीथमपुरी, झिलाई, भुसावर, दुग्ध विज्ञान एवं तकनीकी महाविद्यालय, जोबनेर, आर.ए.आर.आई. और बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर सहित चौदह घटक महाविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी रही। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सम्मानीय अतिथि डॉ. वजीर सिंह लाकड़ा, पूर्व कुलपति और सी.आई.एफ. ई, मुंबई के निदेशक के नेतृत्व में हुई, उनके साथ श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह, डॉ. एस. के. खंडेलवाल, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के निदेशक छात्र कल्याण, डॉ. बी.एल. जाट, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के अध्यक्ष और संकाय अध्यक्ष, और यूनिवर्सिटी स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ. बसंत कुमार भींचर शामिल थे। समारोह की शुरुआत खेल ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई। इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं जैसे कि कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स गतिविधियां जैसे लंबी कूद, ऊंची कूद, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर दौड़, चक्र फेंक, भाला फेंक, शॉट पुट आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों में छात्र एवं छात्राओं सहित कुल 600 छात्रों ने भाग लिया, सभी कार्यक्रम परिसर के भीतर सुचारू रूप से संपन्न हुए। राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के बारह कुशल शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञों ने कार्यक्रमों के निर्बाध आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। 8 नवंबर, 2023 को खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों दोनों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की, जबकि श्री सुरेश कुमार बैरवा, मुख्य प्रबंधक (एस.बी.आई.) ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बास्केटबॉल में जीत हासिल की, जबकि डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर पुरुषों की वॉलीबॉल में विजेता बनकर उभरा। कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली ने कबड्डी (पुरुष) का खिताब जीता। सभी खेल आयोजनों के लिए प्रतिष्ठित जनरल चौंपियनशिप की विजेता श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर रही। कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर के श्री पवन साहू सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट रहे, जबकि कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली की सुश्री रिंकू यादव टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट रही।

अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रमः – कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की अन्तर महाविद्यालय खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन 05–08 नवंबर, 2023 को कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में किया गया। इन गतिविधियों में 07.11.2023 को सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गई (संगीत – एकल गीत, समूह गीत और देशभक्ति गीत (डांस– सोलो डांस, क्लासिकल डांस और ग्रुप डांस) थिएटर– मोनो एक्टिंग, माइम, स्किट और वन एक्ट प्ले), 05 और 06.11.2023 को फाइन आर्ट इवेंट (रंगोली, क्ले मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट पैंटिंग, कोलाज और 06.11.2023 को कार्टूनिंग) और साहित्यिक कार्यक्रम (वाद–विवाद, एक्सटेम्पोर, भाषण, कविता और निबंध लेखन) आयोजित किए गए। इन आयोजनों में 14 महाविद्यालयों के लगभग 360 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभिन्न आयोजनों के विजेताओं की सूची इस प्रकार हैः

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	1st	2nd	3rd
		सांस्कृतिक गतिविधि		
1.	लाइट वोकल (सोलो)	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर और कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी
2.	समूह गीत	रारी, दुर्गापुरा	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर और एस के एन कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर
3.	देशभक्ति गीत	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर	कृषि महाविद्यालय, नौगांव
4.	क्लासिकल डांस सोलो	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली
5.	एकल नृत्य	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर
6.	समूह नृत्य	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर
7.	स्किट	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर	कृषि महाविद्यालय, नौगांव	रारी, दुर्गापुरा
8.	माइम	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
9.	वन एक्ट प्ले	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली
10.	मोनो एक्टिंग	रारी, दुर्गापुरा	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर

ललित कला				
1.	ऑन द स्पॉट पेंटिंग	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, लालसोट	रारी, दुर्गापुरा
2.	कॉलाज	रारी, दुर्गापुरा	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
3.	पोस्टर मेकिंग	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़बास	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली
4.	क्ले मॉडलिंग	रारी, दुर्गापुरा	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़बास
5.	कार्टूनिंग	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी	कृषि महाविद्यालय, भुसावर
6.	रंगोली	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर

साहित्यिक				
1.	वाद–विवाद	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	रारी, दुर्गापुरा
2.	एक्सटेम्पोर	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	रारी, दुर्गापुरा
3.	एलोक्यूशन	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, लालसोट	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर
4.	कविता	कृषि महाविद्यालय, लालसोट	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	कृषि महाविद्यालय, नौगांव और कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
5.	निबंध	कृषि महाविद्यालय, भुसावर	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर	कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

अभिसंस्करण कार्यक्रमः – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर (10.10.2023), कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़ बास, अलवर (29.11.2023) कृषि महाविद्यालय, नौगांव (अलवर) (02.12.2023), कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक) (17.10.2023), कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (27.10.2023), कृषि महाविद्यालय, भुसावर (20.12.2023), एवं कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी में 15.10.2023 को नवीन छात्र–छात्राओं का कैरियर अभिसंस्करण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं कृषि शिक्षा में रोजगार की सम्भावनाओं के बारे में अवगत कराया।

कौशल विकास केन्द्रः – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कौशल विकास केन्द्र द्वारा मेधा लर्निग फाउंडेशन के समन्वय से कैरियर एडवांसमेंट बूटकैंप कार्यक्रम के कुल 09 बैच का आयोजन किया गया जिसमें कुल 254 छात्र–छात्राओं ने रोजगार से संबधित दक्षताओं को सीखा । संवेदीकरण कार्यक्रम 16.01.2023 को आयोजित किया गया और 22.05.2023 को ऑनलाइन मोड पर जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि पर एक सप्ताह की कार्यशाला। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में कौशल विकास केन्द्र द्वारा कुल 24 व्याख्यान, 2 एक्सपोजर विजिटस और 2 कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 1000 से अधिक छात्र–छात्राओं को लाभ हुआ।

7. अनुसंधान निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का अनुसंधान निदेशालय विश्वविद्यालय के सभी अनुसंधान केन्द्र तथा उपकेन्द्रों में हो रहे अनुसंधान के उद्देश्यों की कार्य योजना की निगरानी एवं मूल्यांकन की भूमिका निभाता है। इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में दो कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व नवगॉव (अलवर), एक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान – दुर्गापुरा, जयपुर एवं चार कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) आते हैं। विश्वविद्यालय की सभी संघटक इकाईयों द्वारा किसानों के लिए नई तकनीकियों का विकास एवं उत्तम बीज उत्पादन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में अनुसंधान को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं कार्यरत हैं इनके अर्न्तगत विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, उत्पादन व पौध संरक्षण तकनीकों एवं जलवायु परिवर्तन आधारित प्रोधौगिकी के विकास हेतु अनुसंधान सतत् प्रक्रियारत हैं।

अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाः– विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर वर्तमान में 18 दीर्घावधी अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत गेहूं, जौ, चना, मूँगफली, बाजरा, ग्वार, मूंग, उडद, मसूर, अरहर, राजमा, शुष्क क्षेत्रीय फल जैसेः– बेर, आंवला, लसोडा, बील आदि, मसाले वाली फसलें जैसेः– जीरा, धनिया, मैथी, सौफ एवं सब्जियां आदि फसलों पर अनुसंधान करने के साथ साथ समन्वित कृषि प्रणाली, सफेद लट एवं मृदा आर्थोपोड, कीटनाशी अवशेष, वानिकी, सुत्रकृर्मी प्रबंधन, कृषि मौसम सेवा आदि विषयों पर सतत् अनुसंधान द्वारा नवीन किस्में, उन्नत उत्पादन एवं पौध संरक्षण तकनीकियां विकसित की जा रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र के किसान लगातार लाभान्वित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएः– विश्वविद्यालय में क्षेत्र विशेष हेतु विशिष्ट समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं बनाई जाती हैं। वर्ष 2022–23 में एक एवं 2023–24 में दो राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं। वर्तमान में तरल जैविक योगों का मानकीकरण और विशेषता, अर्द्धशुष्क परिस्थितियों में महत्वपूर्ण सब्जियों के गुणवतायुक्त बीज का उत्पादन, कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों पर उत्कृष्टता केन्द्र, कृषि महाविद्यालय लालसोट फार्म का आधुनिकीकरण एवं मशीनीकरण, मशरूम उत्पादन तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भर ग्रामीण युवाओं के लिए कृषि उद्यमिता का विकास करना परियोजनाएं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर कृषि महाविद्यालय, लालसोट एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र नवगांव (अलवर) में चल रही हैं।

परीक्षण प्रोजेक्टः– विश्वविद्यालय द्वारा निजी क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पाद, जैसे फसलों की किस्म, कीटनाशी, फफूंदनाशी, शाकनाशी आदि को इस क्षेत्र की जलवायु में परीक्षण किया जाता है। इन परिणामों के आधार पर इन उत्पादों को क्षेत्र में उपयोग लाने हेतु सिफारिश की जाती है। प्रतिवेदन वर्ष में 38 परीक्षण प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये गये हैं।

अन्य परीक्षणः– राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों पर हो रहे अनुसंधान एवं उन संस्थानों पर विकसित विभिन्न फसलों की नवीन किस्मों या तकनीकियों को बहुकेन्द्रीय परीक्षण हेतु विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों पर प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 5 परीक्षण प्राप्त हुए हैं।

उपलब्धियां

नवीन विकसित किस्में

किस्म	लक्षण	फोटो
ग्वार **करण ग्वार–14** **(आर.जी.आर18–1)**	इस किस्म का विमोचन सी. वी. आर. सी. कि 89वीं बैठक में किया गया जो कि 30.11. 2022 को हुई थी (अधिसूचना विचाराधीन है।) कृषि अनुसंधान केन्द्र दुर्गापुरा द्वारा विकसित ग्वार की यह किस्म, भारत के सभी ग्वार उत्पादित राज्यों – राजस्थान, गुजरात, हरियाणा एवं महाराष्ट्र के लिए वर्ष 2022 में विमोचित की गई है। मध्यम शाखाओं वाली यह किस्म 95–90 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। इस किस्म की पत्तियों खुरदरी एवं कटाव वाली होती हैं तथा फूल हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इस किस्म के दाने मध्यम मोटाई वाले 3.3–2. 7) ग्राम 100/दाना (स्लेटी रंग के तथा फलियां मध्यम लम्बाई वाली होती हैं। दानों में गोंद की मात्रा 34. 2 प्रतिशत होने के साथ–साथ विस्कोसिता अधिक 3 412) सीपी (होने के कारण गुणवत्ता अधिक होती है। यह किस्म झुलसा एवं जड़ गलन रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी क्षमता रखती है।	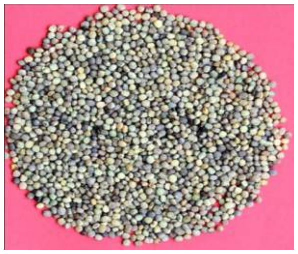
ग्वार **करण ग्वार–15** **(आर.जी आर 20–15)**	यह सामान्य परिस्थितियों में 15–0 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ 99–104 दिनों में पक जाती है। इसमें बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट, रूट रॉट और अल्टरनेरिया ब्लाइट का संक्रमण कम होता है और सफेद मक्खी, लीफ हॉपर और एफिड्स का प्रकोपभी कम होता है।	

शस्य विज्ञान विभाग, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर

		प्री–जर्क बैठके		जर्क बैठके	
क्षेत्र	**अनुसंधान केन्द्र**	**खरीफ, 2022**	**रबी 2022**	**खरीफ 2022**	**रबी 2022**
द्वितीय–ए	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावटी	20 मार्च, 2023	13 सितम्बर, 2023	18–19 अप्रैल, 2023	26–27 सितम्बर, 2023
तृतीय–ए	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	24–25 फरवरी, 2023	23–24 अगस्त, 2023	20–21 अप्रैल, 2023	3–4 अक्टूबर, 2023
तृतीय–बी	कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगॉव	28 मार्च, 2023	15 सितम्बर, 2023	12–13 मार्च, 2023	सितम्बर 3–4, 2023

कार्यरत अखिल भारतीय समन्वित/ नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं एवं उनकी प्रमुख उपलब्धियां

क. सँ.	अखिल भारतीय समन्वित। नेटवर्क अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रमुख उपलब्धियां
	कृषि अनुसन्धान केंद्र, फतेहपुर	
1	ए.आई.सी.आर.पी., कृषि वानिकी	कृषि वानिकी प्रणाली और मृदा स्वास्थ्य सुधार के पहलू पर काम कर रहा है।
	राजस्थान कृषि अनुसन्धान केन्द्र, दुर्गापुरा	
1.	अखिल भारतीय समन्वित गेहूं और जौ सुधार अनुसंधान परियोजना	गेंहू में पीली रोली रोग के नियंत्रण की सिफारिश
2.	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	
3.	अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना	
4.	अखिल भारतीय समन्वित MULLaRP अनुसंधान परियोजना	
5.	अखिल भारतीय समन्वित शुष्कफली अनुसंधान परियोजना	ग्वार किस्म करण ग्वार 14/आर .जी.आर. 18–1 (नवम्बर, 2022) ग्वार किस्म करण ग्वार 15/आर.जी.आर. 20–15
6.	अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रौद्योगिकी अनुसंधान परियोजना	कई फसलों के अंकुरण परीक्षण
7.	अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली अनुसंधान परियोजना	मूंगफली का उत्पादन बढ़ाने हेतु सिफारिशें की गयी
8.	अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना	सब्जीयों का उत्पादन बढ़ाने हेतु सिफारिशें की गयी
9.	अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना	वर्मीकम्पोस्ट इकाई, एजोला इकाई एवं एक चौपाल विकसित की गई।
10.	अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार नियंत्रण अनुसंधान परियोजना (वोलिन्टियर सेन्टर)	1. किसानों की आय बढ़ाने के लिए जैविक और रासायनिक विधि से खरपतवार को नियंत्रण की योजना को स्वीकृत कराई गई। 2. पारथेनियम जागरूक सप्ताहिक अभियान, अगस्त, 2023
11.	अखिल भारतीय समन्वयक मृदा आर्थ्रोपोड्स परियोजना	मूंगफली में सफेदलट के प्रबंधन के लिए, इमिडाक्लोप्रिड 600 एफएस@ 6.5 मिलीधकिग्राबीज के साथ बीज उपचार और उसके बाद बुआई के 21 दिन बाद इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल@ 500 मिली/हेक्टेयर का प्रयोग सब से प्रभावी है।
12.	अखिल भारतीय समन्वयक कीटनाशक अवशेष परियोजना	सब्जीयों और फलों के नमूनों का संरक्षण एवं कीटनाशकों के अवशेषों का विशलेषण किय ा गया।
13.	अखिल भारतीय समन्वित सुत्रकर्मी परियोजना	मृदा में सुत्रकर्मी प्रबंधन पर कार्य किया गया

14.	ग्रामीण कृषि मौसम सेवा	मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उचित फसल प्रबंधन हेतु हर सप्ताह दो मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की गयी
	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	
1.	अखिल भारतीय समन्वित तारामीरा अनुसन्धान परियोजना	तारामीरा का उत्पादन बढ़ाने हेतु सिफारिशें की गयी
2.	अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसन्धान परियोजना	विभिन्न मसाला फसलों के उत्पादन बढ़ने हेतु सिफारिशें की गयी
3.	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्रीय फल अनुसन्धान परियोजना	विभिन्न शुष्क क्षेत्रीय फलोत्पादन बढ़ने हेतु कार्य किये गए

विकसित प्रौद्योगिकी, तकनीकी एवं सिफारिशें : विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष दो प्री जर्क बैठकें की जाती हैं। जिनमें विश्वविद्यालय में होने वाले शोध कार्यो की समीक्षा की जाती हैं। इन समीक्षाओं के आधार पर जर्क बैठकें (वर्ष में 02) होती है। जिनमें विकसित प्रोधौगिकी पर चर्चा करने के उपरान्त इन्हें किसानों द्वारा अपनाने के लिए सिफारिशें स्वीकृत की जाती है। प्री जर्क व जर्क की ये बैठकें कृषि जलवायु क्षेत्रोंवार के अनुसार की जाती है। इस प्रतिवेदन वर्ष में सम्पन्न हुई प्री जर्क व जर्क की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है। इस प्रतिवेदन वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा निम्न तकनीकियों की

जोन–IIA

1. ग्वार में खरपतवार नियन्त्रण :– इमेजाथाइपर + एमेजामोक्स (35+35) प्रतिशत एस. एल. दवा का 50 ग्राम ए. आई. प्रति है. की दर से या इमेजाथाइपर एमेजामोक्स (35+35) प्रतिशत एस. एल. दवा का 40 ग्राम ए.आई. प्रति है। की दर से या इमेजाथाइपर 10 प्रतिशत एस-एल दवा का 75 ग्राम ए- आई. प्रति है। से 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर बुवाई के 30 दिन बाद छिडकाव करें अथवा 30 दिन की फसल अवस्था पर निराई गुडाई करे। दूसरी निराई गुडाई बुवाई के 45 दिन बाद करे यदि आवश्यकता हो तो।
2. मूंग की फसल में 40 दिन की अवस्था पर 100 से 150 पी-पी-एम- सेलिसिलिक अम्ल (100 से 150 मि.ग्रा. / लीटर पानी) का पर्ण छिड़काव करने से फसल बढवार, फसल कार्यिकी में सुघार एवं उपज में वृद्धि होती है।(डॉ- एस. सी- महला, सहायक आचार्य, पादप कार्यिकी)
3. चॅवला की फसल में 40–45 दिन की अवस्था पर 200 से 300 पी-पी-एम- सिलिसिक अम्ल (200 से 300 मि.ग्रा. / लीटर पानी) का पर्ण छिड़काव करने से फसल बढवार, फसल कार्यिकी में सुघार एवं उपज में वृद्धि होती है।
4. प्रोपिकोनाजोल 25.9 ई. सी- को 0.1 प्रतिशत की दर से 500 एम. एल- 500 लीटर पानी में धोल में धोल कर छिडकाव करें। व्याधि का उपचार न होने पर 15 दिन बाद दोबारा छिडकाव करें। इस के अलावा टेबुकोननाजोल + ट्राईफलोक्सीस्ट्रोबीन 25 डबल्यूजी 0.04 प्रतिशत की दर से 200 ग्राम 500 लीटर पानी में घोल कर भी छिडकाव कर सकते है।
5. ट्राईसाइक्लाजोल 75 डबल्यूजी को 0.05 प्रतिशत की दर से 250 ग्राम 500 लीटर पानी में घोल कर छिडकाव करें। व्याधि का उपचार न होने पर 15 दिन बाद दोबारा छिडकाव करें। इसके अलावा टेबुकोनाजोल+ ट्राईफलोक्सीस्ट्रोबीन 25 डबल्यूजी 0.04 प्रतिशत की दर से 200 ग्राम 500 लीटर पानी में घोल कर भी छिडकाव कर सकते है।
6. बाजरे की खडी फसल में सफेद लट की रोकथाम के लिए कीटनाशक इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. का 60 ग्राम सक्रीय तत्व प्री–मानसून की प्रथम वर्षा के या बुवाई के 21 दिन पश्चात प्रति हैक्टेयर उपयोग करें। (डॉ. डी. आर- बाज्या एवं डॉ- झूमरलाल, सहायक आचार्य, कीट विज्ञान)

7. मूंगफली की खडी फसल में सफेद लट की रोकथाम के लिए कीटनाशक इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. का 360 मिली. प्री–मानसून की प्रथम वर्षा के या बुवाई के 21 दिन पश्चात प्रति हैक्टेयर उपयोग करें।
8. बाजरा कि संकर किस्में : जोन. IIA के लिए पी-ओ-पी में दो बायो फोर्टिफाइड बाजरा कि संकर किस्में, आर-एच-बी-233 (2019) और आर-एच-बी- 234 (2019)
9. मूंग की किस्म : जोन. IIA के लिए पीओपी में मूंग की एक किस्म आरएमजी 975 (केशवानन्द मूंग–1) (2016)
10. क्लस्टर बीन (ग्वार) किस्म : जोन IIA के लिए पीओपी में एक क्लस्टर बीन (ग्वार) किस्म आर.जी.आर.–12–1 (कर्ण ग्वार) (2018)
11. गेंहू में नत्रजन का प्रयोग : गेंहू में अधिक उपज प्राप्त करने हेतु नत्रजन उर्वरक की मात्रा 100–120 किलो/है देवे व एक चौथाई मात्रा शीष जड़ जमने के समय (20–25 दिन बुवाई के बाद) और भोश एक चौथाई फुटान होते समय देवे (35–40 दिन बुवाई के बाद)
12. परजीवी खरपतवार (ओरोबेन्की) प्रबंधन : सरसों की फसल में ओरोंबेन्की खरपतवार के नियंत्रण हेतु ग्लाइफोसेट / 25 ग्राम/हे. का छिड़काव बुवाई के 25 दिन बाद तथा ग्लाइफोसेट / 50ग्राम/हे. का छिड़काव बुवाई के 50 दिन बाद पंक्तियो में खरपतवार पर करे अथवा सरसों की फसल में बुवाई के 25 दिन व 50 दिन बाद ग्लाइफोसेट / 25 ग्राम/हे. को मिटट्ी में मिलाकर समान रूप से भुरकाव कर तुरंत सिचाई करे।
13. कोटा मसूर–1 (2018): कोटा मसूर –1 में औसत अनाज उपज 6 से 7 क्विंटल/हेक्टेयर दर्ज की गई और उपज क्षमता 10 से 14 क्विंटल/हेक्टेयर है। परिपक्वता 96 से 100 दिन है। कोटा मसूर–1 सूखे और उच्च तापमान के प्रति सहनशील (tolerant)है।
14. जैविक तरीके से प्याज के उत्पादन के लिए मृदा में 7.0 टन प्रति हैक्टर केचुआ खाद के साथ प्याज की पौध को एजोटोबेक्टर + फॉस्फोरस घुलनशील बैक्ट्रिया से उपचारित करे या गोबर की खाद 10 टन प्रति हैक्टर + केंचुआ खाद 3.5 टन प्रति हैक्टर के साथ प्याज की पौध को एजोटोबेक्टर + फॉस्फोरस घुलनशील बैक्ट्रिया से उपचारित करे।
15. जैविक तरीके से मैथी के उत्पादन के लिए मृदा में 2.67 टन प्रति हैक्टर केचुआ खाद के साथ मैथी के बीजो को राइजोबियम + फॉस्फोरस घुलनशील बैक्ट्रिया से उपचारित करे या गोबर की खाद 10 टन प्रति हैक्टर + केंचुआ खाद 3.5 टन प्रति हैक्टर के साथ के साथ मैथी के बीजो को राइजोबियम + फॉस्फोरस घुलनशील बैक्ट्रिया से उपचारित करे।
16. जौ की फसल में बुवाई पूर्व फेरस सल्फैट की प्रति हेक्टर 20 किलो ग्राम मात्रा देने से उपज में अधिक वृद्धि होती साथ ही दानो में भी ऑयरन की मात्रा में इजाफा होता है। जिस मृदा में ऑयरन की बहुत अधिक कमी है वहां पर फेरस सल्फैट की प्रति हेक्टर 25 किलो ग्राम मात्रा बुवाई पूर्व देवे। (डॉ. एच. एस. जाटव, सहायक आचार्य, मृदा विज्ञान)
17. जौ की खड़ी फसल में ऑयरन की कमी होने पर फेरस सल्फेट 0.5 प्रतिशत का छिड़काव करें।
18. सरसों फसल में बुवाई के समय जिंक सल्फैट (21:) प्रति हेक्टर 25 किलो ग्राम अथवा मोनो हाइड्रेट जिंक सल्फैट (33:) की प्रति हेक्टर 20 किलो ग्राम मात्रा देवें।
19. मेथी की फसल में मोयले के जैविक नियंत्रण हेतु गौमुत्र 10 प्रतिशत तथा एजाडिरेक्टिन 0.3 ईसी की 0.15 प्रतिशत मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें तथा आवश्यकता पड़ने पर इसे 15 दिन बाद पुनः छिड़कांव करे।
20. सरसों की खड़ी फसल में माहू कीट की आर्थिक स्तर आने पर इमीडाक्लोपरीड 17.8 एस. एल. दवा 27 ग्राम (150 एम. एल./हे.) या थायोमिथॉक्जाम 25 ग्राम (150 एम.एल./हे.) प्रति हेक्टर की दर से 500 लीटर पानी मे घोल कर छिड़काव करें तथा आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद दोबारा छिड़काव करें।
21. सरसों के तना गलन रोग के लक्षण दिखाई देने पर इसके उपचार हेतु लहसुन के सत का 1 प्रतिशत की दर से (10 एम-

एल- / किलो बीज) बीजोपचार करं तथा आवश्यकता होने पर लहसुन के सत् का 1 प्रतिशत की दर से 5 लीटर की मात्रा को 500 लीटर पानी मे घोल बनाकर कर छिड़काव करे।

22. सरसों के झुलसा के लक्षण दिखाई देने पर इसके उपचार हेतु अजोक्सीस्ट्रोबिन 23 एससी का 0.1: की दर से 500 एमएल अथवा टेबुकोनाजोल 50:+ ट्राईफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25: डब्लूजी का 0.04: की दर से 200 एम एल मात्रा का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे।
23. चने के जड़ गलन के उपचार हेतु क्लोरोथेलोनिल 75 :से 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें अथवा पेनफ्लुफेन (13.20:)+ ट्राईफ्लोक्सीस्ट्रोबिन (13.28:) से 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें।

जोन–III A

1. जौ की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सिफारिश की गई 75: नाइट्रोजन की मात्रा को दो भागो में, 50: मात्रा को बुवाई के समय एंव 25: मात्रा को 25–30 दिन पश्चात देने के बाद एक लीटर नैनो यूरिया का छिड़काव 600 लीटर पानी के साथ क्रमश बुवाई के 404–5 एंवम 60–65 दिनों के बाद करे!
2. गेहूं की अधिक उपज एव शुद्ध आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई नत्रजन उर्वरकों की 75: मात्रा के साथ नैनो यूरिया के दो पर्णीय छिढ़काव (2–5 मिली / लीटर), पहली बुवाई के 40–45 दिन बाद दूसरी बुवाई के 60–65 दिन बाद करने की सिफारिश की जाती है
3. इमिडाक्लोप्रिड 600 एफ एस 4 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करने से गेंहू की फसल को दीमक से बचाया जा सकता है।

   अनाज सिस्ट नेमाटोड, हेटेरोडेरा एवेने, गेहूं के मोल्या रोग के प्रबंधन के लिए गेहूं (ट्रिटिकम एस्टिवम) में बुआई के समय फ्लुएनसल्फोन (निमित्ज) 2: ळत्/ 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का उपयोग करें।
4. जौ की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सिफारिश की गई 75: नाइट्रोजन की मात्रा को दो भागो में, 50: मात्रा को बुवाई के समय एंव 25: मात्राको 25–30 दिन पश्चात देने के बाद एक लीटर नैनो यूरिया का छिड़काव 600 लीटर पानी के साथ क्रमश बुवाई के 40–45 एंवम 60–65 दिनों के बाद करे!
5. चना के बीजों को पोटाश कल्चर द्वारा 5 मिली प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार के साथ चना फसल हेतु 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हैक्टेयर के उपयोग से चना की उपज में सार्थक वृद्धि होने के फलस्वरूप अधिकतम लाभ रू लागत अनुपात एवं शुद्ध लाभ प्राप्त होता है ।
6. मसूर में जड़–गांठ (मूल–ग्रंथि) सूत्रकृमि के नियंत्रण के लिए पर्प्यूरोसिलियम लिलासिनम (पेसिलोमिसिस लिलासिनस) जैव कारक की मात्रा 25 किलो ग्राम प्रति हेक्टर की दर से बूवाई के समय भूमि उपचार कर बीज के साथ उपयोग किया जा सकता है।
7. मसूर की उत्पादकता बढाने एवं अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा के साथ मसूर के बीजों को (5–10 मिली@किलो) तरल जैव उर्वरकों (NPK) से बीजो उपचार करें।
8. जीरे में उखटा रोग के प्रभावी प्रबंधन हेतु आई सी आर – फ्यूजीकोन्ट तकनीकी – 'बायोराज'(ट्राइकोडर्मा रीसी) 3 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण से 50 ग्राम/ किलो बीज की दर से बीजोपचार के बाद 30 दिन की फसल पर सवंर्धित कल्चर 5–0 किलो ग्राम / हैक्टयर (5–0 किलो संवर्ध + 1 किलो गुड को 250 लीटर पानी में मिलाकर रात भर छोडें) की दर से पर्शीय छिडकाव करना प्रभावी पाया गया।
9. संरक्षित खेती (प्रोटेक्टिव कल्टीवेशन) में खीरा में जड़–गांठ (मूल–ग्रंथि) सूत्रकृमि के नियंत्रण के लिए फ्लुओपायरम (वेलम प्राइम) 34.48 : एस. सी. की 0.625 एम. एल. मात्रा एक लीटर पानी में घोलकर समान मात्रा में दस पौधों में उपयोग

करें या 1.25 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से अंकुरण के तीन सप्ताह (21 दिन) बाद 750 से 1000 लीटर पानी में घोल कर जड़ क्षेत्र में भूमि उपचार (सोईल ड्रेंचिंग) प्रति हेक्टर की दर से उपयोग करें। इस सूत्रकृमि नाशी का उपयोग बूंद–बूंद (ड्रिप) सिंचाई के साथ भी किया जा सकता हैं।

10. सभी रबी दलहन फसलो में जैसे, चना तथा मटर में जड़–गांठ (मूल–ग्रंथि) सूत्रकृमि के नियंत्रण के लिए पर्प्यूरोसिलियम लिलासिनम (पेसिलोमिसिस लिलासिनस) जैव कारक की मात्रा 2.0 किलो ग्राम प्रति हेक्टर की दर से बूवाई के समय बीज उपचार कर उपयोग किया जा सकता है।

11. करेले के पीले शिरा मोजेक वायरस के प्रबंधन के लिए, रोग की शुरुआत के बाद 10 दिनों के अंतराल पर क्रमशः एसीफेट / 0–15: नीम तेल / 0–2: और पाइरिप्रोक्सीफेन / 0–1: के तीन छिड़काव करें।

12. सरसों की अधिक उपज एवमं शुध्द आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई नत्रजन उर्वरकों की 75: मात्रा के साथ नैनो यूरिया के दो पर्णीय छिढ़काव (2–0 मिली / लीटर), पहला बुवाई के 40–45 दिन बाद दूसरा बुवाई के 60–65 दिन बाद करने की सिफारिश की जाती है

13. सौंफ की फसल में सूक्ष्म तत्व 0.6 प्रतिशत जिंक सल्फेट के साथ–साथ 0.4 प्रतिशत आयरन सल्फेट का बुआई के 60, 75, व 90 दिन बाद पर्णीय छिड़काव करके सौंफ की फसल से अधिक पैदावार व आमदनी प्राप्त की जा सकती है। ईन सूक्ष्म तत्व उवर्रकों का पर्णीय छिड़काव करते समय विलयन को उदासीन करने के लिए विलयन की सान्द्रता की आधी सान्द्रता का चूना मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।

14. बीजीय मसाला व सब्जी वाली फसलों के अन्तर शस्य से अधिक उपज व आमदनी प्राप्त करने के लिए सौफ की पंक्तियों के बीच में लहसुन की दो पंक्तियां (1: 2 अनुपात) लगाई जा सकती है। इससे किसी फसल के खराब होने की जोखिम से भी बचा जा सकता हैं।

15. बील के बगीचे में नींबू की तितली (पैपिलियोडेमोलस)के प्रबन्धन के लिए स्पिनोसेड 45 एस.सी. 0.2 मि.ली. प्रति लीटर या बी.टी. (कुर्सटाकी) 1.0 मि.ली. प्रति लीटर का छिड़काव करें।

16. मक्का की फसल में वृद्धी के समय 15 दिन के अन्तराल पर फ्ल्यूबेन्डीमाइड 5.75 +इमामेक्टीन बेन्जोएट 1.92 एम ई 625 मिलीलीटर के दो छिडकाव करने के 12 दिन बाद मक्का के हरे भूट्टे, मक्का के भूट्टे के साथ दाने, मक्का के दानों एवं चारे में 12 दिन की सुरक्षित प्रतिक्षा अवधि का मालुम किया गया है।

17. बरानी परिस्थितियों में बाजरा की उत्पादकता बढ़ाने व अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने हेतु बुवाई के समय नमी संरक्षण बहुलकै च्ळ 1118 को 5.0 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से कतारों में उर कर देवें।

18. बारानी परिस्थितियों में बाजरा की उत्पादकता बढ़ाने व अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने हेतु न्यूनतम जुताई के अंतर्गत एक हैरो एक कल्टीवेटर और पाटा. बुवाई के 15से 20 और 30 से 35 दिन बाद पहिया कुदाल (व्हील हो की मदद से निराई– गुड़ाई करें एवं 100: सिफारिश की गयी उर्वरक की मात्रा काम में लेवें ।

19. मूंग की फसल में खरपतवार के प्रबंधन हेतु खड़ी फसल में बुवाई के 15 से 20 दिन पश्चात सोडियम ऐसीफ्लुओरफेन 16. 5:. क्लॉडिनोफॉप प्रोपरगिल 8: (मिश्रितघोल) शाकनाशी का 245 ग्राम सक्रिय तत्व या फलुअजीफाप – पी– ब्यूटाइल 13.4:. फोमसेफन 11.1: (मिश्रित घोल) शाकनाशीका 245 ग्राम सक्रिय तत्व 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

20. मूंगफली की फसल में सफेद लट प्रबन्ध हेतु बुआई से पहले कीटनाशक दवा ईमिडाक्लोप्रिड 600 एफ एस से 6.5 मि.ली. प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करके बुआई करें। और बरसात के 21 दिन बाद कीटनाशक दवा ईमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. का 500 मी.ली. प्रति हैकटेयर की दर से डालें।

21. भिन्डी में जड़–गांठ (मूल–ग्रंथि) सूत्रकृमि के नियंत्रण के लिए फ्लुओपायरम (वेलम प्राइम) 34.48%एस. सी. की 1.25

लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से अंकुरण के तीन सप्ताह (2 दिन) बाद 750 से 1000 लीटर पानी में घोल कर जड़ क्षेत्र में भूमि उपचार (सोईल ड्रेंचिंग) प्रति हेक्टर की दर से उपयोग करें। इस सूत्रकृमि नाशी का उपयोग बूंद–बूंद (ड्रिप) सिंचाई के साथ भी किया जा सकता हैं।

22. पोटेशियम की 75ः (22.5 किग्रा@हेक्टेयर) सिफारिश मात्रा के साथ पोटेशियम घोल बैक्टीरिया / 6 मिली @किग्रा से बीजोपचार करने से 25ः पोटेशियम की बचत के साथ मूंगफली की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है।
23. बारानी परिस्थितियों में बाजरा की उत्पादकता बढाने एवं अधिकतम शुध्द आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई नत्रजन उर्वरकों की 75 : मात्रा के साथ नैनो यूरिया के दो पर्णीय छिड़काव (2 मिली@ली), पहला बुबाई के 30–35 दिन बाद दूसरा बुबाई के 45–50 दिन बाद करें ।
24. मूँग की उत्पादकता बढाने एवं अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा के साथ मूँग के बीजों को (5–10 मिली@ किलो) तरल जैव उर्वरकों (NPK) से बीजोपचार करें ।
25. ग्वार में कवक द्वारा होने वाले अल्टरनेरिया ब्लाइट@ झुलसा रोग नियंत्रण के लिए प्रोपिकोनाजोल 25 EC/0.1 प्रतिशत के दो पर्णीय छिड़काव, पहला लगभग बुवाई के 30 दिन बाद या रोग शुरू होने के समय एवं दूसरा पर्णीय छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर प्रभावी पाया जाता है।
26. चंवला (लोबिया) में चारकोल सड़ांध रोग के प्रबंधन क लिए ट्राइकोडर्मा हरजियानम कल्चर (2.5 किलोग्राम@500 किलोग्राम अच्छी तरह सड़ा हुआ गोबर) को मृदा अनुप्रयोग एवं टेबुकोनाजोल् 2 डीएस/1.5 ग्राम @किलोग्राम की दर से बीजोपचार द्वारा प्रभावी नियंत्रण होता है।
27. कम से मध्यम उपलब्ध जिंक वाली मिट्टी में मूंग की फसल के लिए नाइट्रोजन और फास्फोरस की सिफारिश मात्रा के साथ 5 किग्रा@हेक्टेयर की दर से जिंक का उपयोग करने की सिफारिश की जाती है।

जोन–III B

1. ग्वार की फसल में अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग की रोकथाम के लिए टेबुकोनाजोल 25.9 प्रतिशत दवा का 0.1 प्रतिशत की दर से छिड़काव या एजोक्सीस्ट्रोबिन 23 प्रतिशत दवा का 0.1 प्रतिशत की दर से छिड़काव करना सबसे प्रभावी पाया गया।
2. ग्वार की फसल में जड़ गलन रोग की रोकथाम के लिए ट्राइकोडर्मा विरिड़ी + स्यूडोमोनास फ्लोरोसेंस की 3+3 ग्राम मात्रा से बीज उपचार करने तथा़ इन जैव कारकों की 2.5+2.5 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर की खाद के साथ मिलाकर मिट्टी में प्रयोग करना सबसे किफायती और प्रभावी पाया गया है। जोन की पीओपी में शामिल करने के लिए अनुशंषित किया गया।

बीज उत्पादन

	प्रजनक बीज			सत्य चिन्हित बीज		
वर्ष	खरीफ	रबी	योग	खरीफ	रबी	योग
2014–15	135.75	2489.5	2625.25	–	–	–
2015–16	202.89	1475.72	1678.61	157.67	647.44	805.11
2016–17	460.38	2591.07	3051.45	229.67	854.28	1083.95
2017–18	349.78	2165.86	2515.64	240.24	962.62	1202.86
2018–19	317.34	3046.35	3363.69	277.28	1734.78	2012.06
2019–20	333.69	2602.89	2936.58	218.41	2463.65	2682.06
2020–21	382.70	2320.47	2703.17	382.40	1751.53	2133.93
2021–22	535.34	2336.07	2871.41	251.40	3222.17	3473.57
2022–23	**540.61**	**3952.39**	**4493.00**	**380.1**	**5061.81**	**5441.91**

अ. प्रजनक बीज उत्पादन–रबी 2022–23

क्र.सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल(हे.)	उत्पादन(क्विं.)
1.	गेंहू	राज–4238, राज–1482, राज–4079, राज–4120, राज–4037, राज–3765, राज–3077, डी.बी.डब्ल्यु –222, डी.बी.डब्ल्यु–332, डी.बी.डब्ल्यु–187, डी.बी. डब्ल्यु–327, डीबीडबलयू–303	90.55	3025.75
2.	जौ	आरडी–2794, आरडी–2786, आरडी–2849, आरडी–2035, आरडी–2715, आरडी–2899, आरडी–2907, डी.डब्ल्यू.आर.बी– 137, आरडी – 2052	30.6	462.01
3.	चना	सी.एस.जे–515, जी.एन.जी.–2171, जी.एन.जी. 1581, सी.एस.जे.–515, जी.एन.जी.–2144	17.80	161.13
4.	तारामीरा	आर.टी.एम.–1351, आर.टी.एम.–1355	1.50	5.25
5.	मसूर	कोटामसूर–1, कोटामसूर–2, कोटोमसूर–5 , आर.एल. जी.–5	5.0	74.75
6.	सरसो	डी.आर.एम.आर.आई.जे.–31, एन.आर.सी.एच.बी.–101, डी.आर.एम.आर.1165–40, राधिका,आर.एच.725	26.15	223.50
		कुल योग	171.60	395239

ब. प्रजनक बीज उत्पादन– खरीफ 2023

क्र.सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	ग्वार	आर.जी.सी–1033, आर.जी.आर–12.1	30.00	328
2.	मूंग	एम.एच–1142, शिखा,	7.00	55.91
3.	मूंगफली	आर.जी–510 (राज मूंगफली–1), आर जी–578 (राज मूंगफली–2), आर जी–559–3 (राज मूंगफली–3), आर. 638 जी.	11.80	110.50
4.	ढैंचा	डी.एच.–1	5.5	45.10
5.	बाजरा	ICMA-9666	0.2	1.10
		कुल योग	54.50	540.61

स. सत्य चिन्हित बीज उत्पादन (TFL)–रबी 2022–23

क्र.सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	सरसों	डी आर एम आर आई जे–31 (गिरिराज), बायो–902, डी. आर. एम. आर 1165–40 एन आर सी एच बी–101,पूसा 30	89.05	1089.69
2.	गेंहु	राज – 4238, राज – 3765, राज–3077, राज – 4079, एच. डी. 3226, डी. बी. डबल्यू 187, राज–3765, राज–1482, राज–4037, डी. बी. डबल्यू 222, डी. बी. डबल्यू 332, डी. बी. डबल्यू 327	28.15	923.93
3.	जौ	आर.डी. 2907, आर.डी. 2794, आर डी. 2786, आर.डी. 2849, आर. डी. 2899, आर.डी. 2035, डी. डबल्यू. आर. बी. 137	36.20	1341.87
4.	चना	सी.एस.जे 515, जी. एन. जी. 2144, जी. एन. जी. 1581	20.10	309.05
5.	तारामीरा	आर टी एम 1351, आर टी एम 1355	5.50	17.75
6.	मैथी	आर एम टी 1, आर एम टी 305	9.40	94.64
7.	मसूर	आर.एल. जी. 5	5.30	80.15
8.	सौंफ	आर. एफ. 125	3.25	28.95
		कुल योग	224.21	3222.17

द सत्य चिन्हित बीज उत्पादन (TFL)–खरीफ 2022

क.सँ.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन क्विंटल
1.	ग्वार	आर.जी.सी.–1033, आर .जी.सी.–1055, आर .जी.सी. –1066, आर.जी.सी.–1038,	40.00	153.37
2.	मूंग	एम.एच.–421, सम्राट, आरएम.जी–492, आरएम.जी–975	14.5	81.53
3.	मूंगफली	टीजी 37ए	2.0	16.30
4.	तिल	आर.टी.–351	0.1	0.20
		कुल योग	56.60	251.40

सब्जी बीज उत्पादन कार्यक्रम– विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रक्षेत्रों पर सब्जियों में बीज उत्पादन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसके तहत् श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के उद्यान विज्ञान प्रक्षेत्र एंव प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन केरिया फार्म पर सब्जियों का बीज उत्पादन प्रारम्भ किया गया है। इन सब्जियों में प्रमुखतः लौकी, तुरई, भिण्डी, पालक, प्याज, चंवला, ग्वार फली आदि सम्मलित हैं।

8. प्रसार शिक्षा निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविधालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण, प्रर्दशन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से उन्नत एवं प्रभावी कृषि प्रौधोगिकी का हस्तान्तरण कर कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रो का संर्वागीण विकास करना है। प्रसार शिक्षा निदेशालय की दो मुख्य इकाईयां कृषि प्रौधोगिकी सूचना केन्द्र व प्रसार शाखा जोबनेर मुख्यालय पर कार्यरत है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में राज्य के 15 जिले आते है जिनमें आठ कृषि विज्ञान केन्द्र है जो निम्न स्थानों पर स्थित है।

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेडा– कोटपूतली, जयपुर
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
8. कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर

1. प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	केन्द्र पर आयोजित प्रशिक्षण		गाँवों में आयोजित प्रशिक्षण		प्रथम पंक्ति प्रर्दशनों का आयोजन		आयोजित परीक्षण (औएफटी)	
	सँख्या	लाभान्वित	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	लाभान्वित	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	28	819	17	342	89	220	2	35
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	16	352	32	764	260	650	40	40
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	21	747	14	409	183,5	501	2	20
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	46	1421	41	1786	52	108	5	50
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	30	853	24	489	170.77	394	5	50
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	19	990	20	499	197.8	497	4	40
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	16	609	9	192	139	292	3	30
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	17	560	23	437	63	168	3	30
प्रसार शिक्षा निदेशालय	18	564	10	419	8	40	0	0
कुल	**211**	**6915**	**190**	**5337**	**611**	**2870**	**64**	**295**

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रक्षेत्र दिवस		विभिन्न दिवस व कार्यक्रम		किसान मेला		प्रर्दशनी	
	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	3	114	32	1179	0	0	9	32400
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	7	386	34	1502	2	759	6	196
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	9	528	27	726	0	0	8	4364
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	6	486	12	1467	3	1632	8	1471
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	4	128	14	562	0	0	5	3983
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	11	568	25	546	0	0	4	2564
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	4	132	21	1279	.	.	1	120
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	4	211	6	298	0	0	0	0
प्रसार शिक्षा निदेशालय	2	64	0	0	0	0	0	0
कुल	**50**	**2617**	**171**	**7559**	**5**	**2391**	**41**	**45098**

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	रेडियो वार्ता/ टीवी वार्ता		कृषक भ्रमण		कृषक वैज्ञानिक संवाद	
	सँख्या	लाभान्वित	सँख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	6	0	56	903	1	35
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	1	0	29	782	0	0
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	0	0	2	110	13	630
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	4	0	29	1730	2	103
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	3	Mass	1	50	0	0
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	0	0	2	28	10	550
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	5	Mass	2	166	0	0
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	3	0	0	0	0	0
प्रसार शिक्षा निदेशालय	01	0	5	142	0	0
कुल	**23**	**0**	**126**	**3911**	**26**	**1318**

1.कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रर्दशन इकाईयां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रर्दशन इकाई का नाम	उत्पादन
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	पौधशाला	36147 पौध
	बकरी पालन	8
	अजौला	3 किलों
	केंचुआ	181 किलों
	निम्बू बगीचा	802.7 किलो
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	केंचुआ खाद इकाई	120 किलो
	नर्सरी इकाई	71345 पौध
	बकरी पालन इकाई	10 बकरी
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	केंचुआ खाद इकाई	20 कुन्टल
	मदर ओर्चार्ड इकाई	52000रू
	नर्सरी इकाई	750525रू
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	बकरी पालन इकाई	10 (सिरोही नस्ल)
	केंचुआ खाद इकाई	20 क्विंटल
	अजोला इकाई	50 किलोग्राम
	मदर ओर्चाड इकाई	आंवला – 80 क्विंटल
	नर्सरीइकाई	सब्जी पौध – 327000 फलदार पौध–6400 सहजन–4150
	पशुपालनइकाई	गाय–2, सांड–1, बछड़ा–1
	गिर गाय इकाई	दूध– 397 किग्रा
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	नर्सरी ईकाई	1.05 लाख पौध (टमाटर, मिर्ची, बेगन, गोभी) 5000 पौधे (नीम, सहजन, लसोड़ा जामुन इत्यादि)

	केंचुआ ईकाई	750 किलो खाद उत्पादन
	मातृ वृक्ष बगीचा	अनार, सेव, अजीर, लसोड़ा एवं बेर
	बकरी पालन	बकरी नर बच्चे 05 बकरी मादा बच्चे 12
	मुर्गीपालन	62 हजार
	गाय पालन इकाई	04 हजार
	नेपियर ग्रास इकाई	20 हजार
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	केंचुआ इकाई	261 किग्रा
	केंचुदा खाद इकाई	1876 किग्रा
	अजोला इकाई	157 किग्रा
	मदर ओर्चार्ड इकाई	110000 / –
	नर्सरी इकाई	20662
	पशुपालन इकाई	33000 / –
	हाइड्रोपोनिक इकाई	1000 / –
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	केंचुदा खाद इकाई	30000
	अजोला इकाई	100
	बैर एवं आंवला ओर्चार्ड इकाई	120
	नर्सरी इकाई	20000
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	पौधशाला	1,04,000 / –

2. महत्वपूर्ण सेमीनार / कॉनफ्रैन्स / वर्कशॉप / बैठके

- **जैविक खेती को प्रोत्साहन** : प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर तथा प्रसार शिक्षा संस्थान, आनंद के सयुंक्त तत्वावधान में जैविक खेती को प्रोत्साहन विषय पर प्रसार वैज्ञानिको के लिए प्रशिक्षण दिनांक 16 से 18.01.2023 को आयोजित किया गया जिनमें कुल 22 वैज्ञानिको ने भाग लिया।
- **कृषक आय को दोगुणा करने वाली अच्छी कृषि पद्धतियां**: प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर तथा प्रसार शिक्षा संस्थान, आनंद के सयुंक्त तत्वावधान में प्रसार वैज्ञानिको के लिए प्रशिक्षण दिनोक 1 से 03 मार्च, 2023 को आयोजित किया गया जिनमें कुल 23 वैज्ञानिको ने भाग लिया।
- **वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक** : प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर के क्षेत्राधिकार में राज्य के 8 जिले समाहित हैं, जिनके सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर निदेशालय द्वारा द्वारा वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठकों का केन्द्रों पर सफल आयोजन किया गया। इन बैठकों में कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पूर्व वर्ष के दौरान किये गये कार्यो की समीक्षा के साथ साथ आगामी वर्ष में किये जाने वाले कार्यो की रूपरेखा तैयार की जाती है। इन बैठकों में निदेशक प्रसार, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ – साथ केन्द्र के वैज्ञानिक व जिले में संबंधित विभागों के पदाधिकारी हिस्सा लेते है। कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा दिनांक 13.07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर पर दिनांक 15.07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां पर दिनांक 22.07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, भरतपुर पर दिनांक 24.07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, भरतपुर पर दिनांक 24. 07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर पर 25.07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर दिनांक 27.07.2023 को, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली दिनांक 08.08.2023 को आयोजित किये गये जिनकी अध्यक्षता डॉ. सुदेश कुमार, निदेशक, निदेशालय प्रसार शिक्षा, एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर ने की।
- **संरक्षित कृषि एवं प्राकृतिक खेती पर वर्चूअल प्रशिक्षण**: के.वी.के., अलवर द्वारा दिनांक 21 से 27 मार्च 2023 को संरक्षित कृषि तकनिकी केन्द्र भाकृअप–भारतीय कृषिअनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया ।
- **मधुमक्खी पालन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार**: के.वी.के., अलवर द्वारा दिनांक 30–31 मई 2023, 25–26 अगस्त 2023 तथा 27–28 अगस्त 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र एवं एस.एफ.ए.सी नई दिल्ली के सयुंक्त तत्वावधान में आयोजित किये जिसमें जिले के क्रमशः 430, 230 तथा 180 एफ.पी.ओ. के सदस्य एवं कृषकगणों ने भाग लिया।
- **सुरक्षित अनाज भण्डारण पर जागरूकता कार्यक्रम** : डब्लू.डी.आर.ए. नई दिल्ली के सयुंक्त तत्वावधान में दिनांक 05 जून 2023 को के.वी.के., अलवर तथा के.वी.के., अजमेर पर तथा प्रसार शिक्षा निदेशालय पर दिनांक 09 जून 2023 को आयोजित किये गये जिनमें कुल 153 किसानों ने भाग लिया।

9. मानव संसांधन विकास निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के निदेशालय, मानव ससांधन विकास की स्थापना विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही सितम्बर 2013 में हुई थी। परन्तु मानव संसांधन विकास निदेशालय द्वारा स्वतंत्र रूप से कार्य 7 जनवरी 2015 को शुरू दिया गया। अपनी स्थापना के साथ ही निदेशालय मानव ससांधन के समुचित उपयोग व विकास के लिए प्रयासरत है। निदेशालय, मानव ससांधन विकास ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व छात्रों के विकास के लिए कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। प्रशिक्षणो के अलावा वैज्ञानिकों व शिक्षकों को राष्टीय सेमिनारों, संगोष्ठीयो व कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

निदेशालय, मानव संसाधन विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा आयोजित कार्यक्रम।

1. निदेशालय, मानव संसाधन विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं मृदा विज्ञान कृषि रसायन कृषि महाविद्यालय श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा 21 दिवसीय विन्टर स्कूल "पर्यावरण सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन ओर उर्जा उत्पादन के लिए कृषि अपशिष्ट प्रबंधन में प्रगति" दिंनाक 18 जनवरी से 7 फरवरी 2023 तक आयोजन की गई। इस विन्टर स्कूल में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थनो के 25 कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

Dr. R. Verma,Shri B.L. Banjara, Comptroller, Dr. B. L. Kakralya, Director,HRD, Prof. Balraj Singh, Hon'ble VC., Dr. B.L Jat, Dean & FC,Dr. K. K. Sharma, HOD, SSAC,Dr. S. K. Dadhich, Course Director
Mr. C. Kumawat,Dr. Charu Sharma,Dr. Neemisha,Dr. Shehnaz,Dr. Roshan Choudhary,Dr. Suman Choudhary, Dr. T. D. Gurjar,Dr. H. B. Patel,Dr. D. M. Patel,Dr. S. S. Sharma
Dr. D. P. Singh,Dr. Mani Ram,Dr. B. L. Naga,Dr. Gajanand Jat,Dr. T. K. Pandit,Dr. Nitin Chawla,Dr. P. S. Patel, Dr. H. R. Ramani,Dr. B. Singh,
Dr. P. S. Shekhawat, Dr. A. S. Kale, Dr. D. K. Paliwal, Dr. J. P. Mehra,Dr. M. D. Sarkar, Dr. R. S. Meena, Dr. Pampangouda
ICAR Sponsored 21Days Winter School on the "Advances in Agricultural Waste Management For Environmental Safety, Soil Health Management and Energy Production" (18 January to 7 Febuary, 2023)
Sri Karan Narendra Agriculture University,Jobner, Jaipur (Raj.) 303 329

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के निदेशालय, मानव संसाधन विकास एवं कृषि शिक्षा अनुसंधान एवं विस्तार प्रबंधन, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर में 21 दिवसीय पचंम ओरियन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 21 सितम्बर से 11 अक्टूबर 2023 तक किया। जिसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों में पद स्थापित नव चयनित 39 सहायक प्रध्यापकों एवं विषय विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

3. निदेशालय, मानव संसाधन विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी 2023 से दिसम्बर 2023 तक विश्वविद्यालय की वभिल्ल ईकाइयों के 51 शैक्षिणिक एवं अशैक्षिणिक कर्मचारीयों व अधिकारियों को ऑनलाईन/ऑफलाईन/ राष्ट्रीय सेमिनारों /शैक्षिक प्रशिक्षण में देश एवं राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में भागीदारी संस्तुति की गयी।

10. प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन निदेशालय

यह निदेशालय विश्वविद्यालय सम्बन्धी सूचनाओं जैसे कि वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक रिर्पोट आदि तैयार करके प्रकाशन करवाता है। विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान एंव कृषि प्रसार संबधी महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने या इसकी उपलब्धता के लिए मध्यस्थता निदेशालय का एक पहलू है। सभी संघटक कृषि महाविद्यालयों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से मान्यता के लिए स्वअध्ययन प्रतिवेदन संकलित करता है। इस वर्ष निदेशालय ने आई. सी. ए. आर में प्रस्तुतीकरण के लिए वर्ष 2021–22 की वार्षिक रिर्पोट, राष्ट्रीय संस्थागत रैकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) आदि के प्रतिवेदन तैयार किये हैं। इस वर्ष निदेशालय ने आई. सी. ए. आर. द्वारा गठित Peer Review Team (पी.आर.टी) का कृषि महाविद्यालय फतेहपुर, शेखावाटी व कुम्हेर, भरतपुर में भ्रमण करवाया है इस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर इन कृषि महाविद्यालयों को आई. सी. ए. आर. द्वारा मान्यता प्राप्त हो सकेगी। निदेशालय द्वारा प्रत्येक माह में विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में शिक्षा, अनुसंधान एवं कृषि प्रसार क्षेत्र में मासिक उपलब्धियों का प्रतिवेदन तैयार कर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान राजभवन, जयपुर को प्रेषित किया जाता है।

11. विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियां

अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष'' विश्वविद्यालय की गतिविधियां:– श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने वर्ष 2023 को अर्न्तराष्ट्रीय पोषक वर्ष के रूप में मनाया है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की गतितिविधियां आयोजित की गई है जो निम्नानुसार है।

1. बाजरा के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय कॉन्क्लेव का आयोजन:– बाजरा के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय कॉन्क्लेव का आयोजन श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा 21–22 मार्च, 2023 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बलराज सिंह, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मुहम्मद यूसुफ गुनू, नाइजीरिया ने की। सम्मानित अतिथि के रूप में श्री प्रकाश सिलवाल, प्रधान वैज्ञानिक, पार्टी प्रमुख, आई. आई. टी. ए., अबूजा, नाइजीरिया, डॉ. रतन यादव, प्लांट जेनेटिक्स, आई. बी. ई. आर. एस., एबरिस्थविथ विश्वविद्यालय, यू. के., डॉ. ए. के. गुप्ता, प्रभारी साबी एवं आयोजन सचिव, डॉ. ए.एस. बलोदा, निदेशक, रारी और सह–आयोजन सचिव के साथ–साथ विभिन्न देशों के प्रतिभागी, गणमान्य व्यक्ति, निदेशक, अधिष्ठाता एवं अन्य प्रतिनिधी सम्मिलित हुए। सम्मेलन में विभिन्न देशों से लगभग 300 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं ने हमारे दैनिक आहार में बाजरा के महत्व, बाजरा के प्रचार और मूल्यवर्धन और वर्तमान परिदृश्य पर व्याख्यान दिए। सम्मेलन में विभिन्न देशों से लगभग 300 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं ने हमारे दैनिक आहार में बाजरा के महत्व, बाजरा के प्रचार और मूल्यवर्धन और वर्तमान परिदृश्य में इसके दायरे पर व्याख्यान दिए। इस अवसर पर बाजरा एवं बाजरा उत्पाद एवं रेसिपी स्टाल प्रदर्शनी की भी योजना बनाई गई। प्रदर्शनी में करीब 50 स्टॉल लगाए गए। दूसरे दिन, समापन समारोह में राजस्थान के माननीय कृषि मंत्री श्री लाल चंद कटारिया जी उपस्थित थे। उन्होंने इस कार्यक्रम की सराहना की और श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय की पूरी टीम को इस कार्यक्रम के आयोजन और बाजरा के प्रचार और मूल्य संवर्धन के लिए किए गए प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि बाजरा प्राचीन काल से ही हमारे दैनिक आहार का अभिन्न अंग रहा है, विशेषकर बाजरा। राजस्थान में बाजरा का क्षेत्रफल और उत्पादन सबसे अधिक है और यह भारत में लगभग 4.3 मिलियन टन उत्पादन में योगदान देता है।उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ प्रदर्शनी के सभी स्टालों का दौरा किया और बाजरा उत्पादों और व्यंजनों के बारे में विक्रेताओं से बात की। अंत में डॉ. ए.के. गुप्ता, प्रभारी एसएबीआई और कॉन्क्लेव के आयोजन सचिव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन समितियों को औपचारिक धन्यवाद दिया

2. दो दिवसीय श्री अन्न सम्मेलन का आयोजन:– राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा दो दिवसीय श्री अन्न सम्मेलन का आयोजन दिनांक 29–30 दिसम्बर, 2023 को किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि नवनिर्वाचित प्रदेष के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं डॉ. बलराज सिंह, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर उपस्थित रहे। डॉ. बैरवा ने कहा कि किसानो को गेहूं–धान चक्र से बाहर निकलने की जरूरत है। इन दोनों फसलों के ज्यादा उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएँ देखने को मिल रही है। ऐसे में ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी जैसे मिलेट्स फसलों को भोजन थाली का हिस्सा बनाने की जरूरत है। क्योंकि यह फसलें ग्लूटेन फ्री है। साथ ही इनका ग्लाइसों इंडेक्स गेहूं–धान की तुलना में काफी कम है। उप मुख्यमंत्री राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय श्री अन्न सम्मेलन के शुभांरभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की एक बड़ी आबादी मधुमेह, मोटापें सहित कई दूसरी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से

जूझ रही है। वही महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या जगजाहिर है। ऐसे में जिंक, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम से भरपूर मिलेट्स फसलों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने रारी द्वारा जिंक, आयरन से भरपूर बाजरा किस्म त्भ्ठ–233 और त्भ्ठ.234 किस्म के विकास पर खुशी जताई। साथ ही मिलेट्स के प्रचार, प्रसार, जागरूक और वैल्यू एडिशन पर जोर दिया। कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 45 लाख हैक्टर जमीन में बाजरे की बुवाई होती है। राजस्थान में देसी बाजरी के दर्जन भर से ज्यादा जर्मप्लाज्म उपलब्ध है। जिनका उपयोग बाजरे की नवीन संकर किस्मों के विकास मे किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पूसा नई दिल्ली के वैज्ञानिकों ने ऐसी तकनीक का विकास किया है जिससे बाजरे के आटे को तीन महीने तक संरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय मिलेट् किस्मों के विकास के साथ–साथ मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण पर ध्यान दे रहा है। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के निदेषक डॉ. अर्जुन सिंह बलौदा ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मिलेट्स विकास निदेषालय, जयपुर के निदेषक डॉ. सुभाष चन्द्र विष्वविद्यालय के कुलसचिव रामरतन शर्मा सहित लगभग 100 कृषि वैज्ञानिकों, 900 किसानों और 700 स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने विष्वविद्यालय द्वारा तैयार कृषि कलेण्डर 2024 का विमोचन किया एवं मिलेट्स उत्पाद का स्वाद चखा।

3. अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा जैविक गॉव बिचून मे 6–8 जनवरी, 2023 को ''बाजरा आधारित बेकरी उत्पादों'' पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान एक बाजरा प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन प्रोफेसर बलराज सिंह, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा किया गया। माननीय कुलपति जी ने किसानों को आहार में बाजरा के महत्व और पोषण मूल्य के बारे में जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया। बाजरा बिस्किट, बाजरा लड्डू, बाजरा खीर, केक आदि जैसे विभिन्न बाजरा प्रसंस्कृत उत्पादों पर प्रदर्शन लगाये गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों को बाजरा बिस्कुट भी वितरित किए गए।

4. दिनांक 11 जनवरी 2023 माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर प्रोफेसर बलराज सिंह द्वारा श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ''मानव स्वास्थ्य में सुधार के लिए बाजरा का महत्व और भूमिका'' पर व्याख्यान दिया गया था।

5. दिनांक 08 जनवरी 2023 को कृषि महाविद्यालय, फ़तेहपुर में माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा ''अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष का जश्न'' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

6. कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर) में दिनांक 07 जनवरी 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में लगभग 70 व्यक्तियों ने भाग लिया।

7. बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्र / महाविद्यालय और स्टेशनों पर नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

8. डॉ. एम. एल. जाखड, निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा ''न्यूट्री–सीरियल पर्लमिल्लेट : बायोफोर्टिफिकेशन, भारत में खाद्य उद्योग के लिए अवसर और बाधाएं'' पर 19 जनवरी 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, कोटपूतली में व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 कृषि डीलरों ने भाग लिया।

9. विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के प्रत्येक छात्रावास में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत बाजरा भोजन दिवस का आयोजन किया गया।

10. बाजरा के उपयोग और महत्व के बारे में छात्रों और ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक महाविद्यालयों के छात्रों द्वारा नियमित रूप से रैली का आयोजन किया गया है

11. दिनांक 23 जनवरी 2023 को आत्मा, भरतपुर, ल्यूपिन और मेवात सरसों उत्पादक संगठन द्वारा संयुक्त रूप से एक किसान गोष्ठी का आयोजन कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर में किया गया और डॉ. उदय भान सिंह ने ''बाजरा का पोषण मूल्य और उच्च तकनीक बागवानी'' विषय पर व्याख्यान दिया। इस किसान गोष्ठी में लगभग 300 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

12. कृषि विज्ञान केंद्र, फ़तेहपुर–शेखावाटी द्वारा रहनावा, बाबरी (खंडेला) और कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किसानों और कृषक महिलाओं के लिए एक जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। किसान आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री महादेव सिंह खण्डेला एवं माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर प्रोफेसर बलराज सिंह ने बाजरा के महत्व के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने मानव स्वास्थ्य के लिए बाजरा के महत्व और लाभ पर व्याख्यान दिए। इस जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 350 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

13. कृषि महाविद्यालय, फ़तेहपुर में 19 जुलाई, 2023 को चारा उद्यान की स्थापना की गई, जहाँ चारे के लिए बाजरा भी प्रदर्शन के लिए लगाया गया। वैज्ञानिकों ने बाजरा के बीज उत्पादन एवं राजस्थान में बाजरा के परिदृश्य पर व्याख्यान दिया।

➢ **तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान कर स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए चार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का आयोजन** – राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ आवश्यक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान कर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उदेद्श्य से बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी, पोल्ट्री फार्म का उद्यमिता प्रबंधन, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और बागवानी फसलों का मूल्य संवर्धन, जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन विषयों पर चार व्यावसायिक सर्टिफिकेट कोर्सज का आयोजन किया गया। इन व्यावसायिक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर और कृषि महाविद्यालय, लालसोट के कुल 182 स्नातक छात्र–छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

1. बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी पर एक महीने का व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 30 जनवरी से 28 फरवरी, 2023 तक आयोजित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के 28 स्नातक छात्रों ने भाग लिया था। इस व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बीज उत्पादन के क्षेत्र में उद्यमशीलता कौशल प्रदान करना और छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना था ताकि वे बीज उद्योग, कृषि नर्सरी और बीज प्रसंस्करण संयंत्र आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना

सकें। इस पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से स्वयं एवं पर–परागित फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन, संकर बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, परीक्षण, प्रमाणीकरण, गुणवत्ता सहित बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों ने बीज प्रसंस्करण इकाई का भी दौरा किया जहां उन्हें बीज प्रसंस्करण के सभी पहलुओं का विस्तृत प्रदर्शन दिया गया।

2. पोल्ट्री फार्म के उद्यमिता प्रबंधन पर एक महीने का व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 25 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2023 तक आयोजित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में कृषि महाविद्यालय, लालसोट के 35 स्नातक छात्रों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में छात्रों के आर्थिक उत्थान/स्वरोजगार के लिए उनके कौशल विकास हेतु मुर्गी पालन के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान किया गया। पाठ्यक्रम के दौरान, छात्रों ने एक वाणिज्यिक पोल्ट्री फार्म, जयसिंहपुरा का भी दौरा किया जहां सभी छात्रों को पोल्ट्री स्वचालित फ़ीड निर्माण और वितरण, ग्रोअर हाउस और पिंजरे प्रणाली के साथ लेयर हाउस का विस्तृत प्रदर्शन का अनुभव लिया।

3. फसल कटाई के बाद प्रबंधन और बागवानी फसलों के मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में उद्यमशीलता कौशल प्रदान कर छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करन के उद्देश्य से एक महीने का व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 21 नवंबर से 20 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया जिसमें श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के 60 स्नातक छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। पाठ्यक्रम के दौरान, विभिन्न बागवानी उत्पादों जैसे आंवला कैंडी, मुरब्बा, नींबू और किन्नू स्क्वैश, सेब जैम और टमाटर सॉस आदि के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया

4. जैव–कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन विषय पर एक महीने का व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 23 नवंबर से 22 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया था। जिसमें श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के 60 स्नातक छात्रों ने भाग लिया। इस व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य जैव–कीटनाशकों के उत्पादन के क्षेत्र में उद्यमशीलता कौशल प्रदान करना और छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना था। इस पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा जैव कीटनाशकों के विभिन्न पहलुओं जैसे जैव कीटनाशकों का परिचय, महत्व, जैव एजेंटों की विशिष्ट विशेषताएं, ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास, बैसिलस, मेटारिज़ियम बायोएजेंट और बायोपेस्टीसाइड्स का बड़े पैमाने पर गुणन, बायोएजेंटों के अनुप्रयोग के तरीके, जैविक खेती आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

➢ **प्लेसमेंट मेलों का आयोजन** – श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना के वित्तीय सहयोग से 22 दिसंबर 2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय में एक दिवसीय प्लेसमेंट मेले का आयोजन किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाए। मेले के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 11 संघटक कृषि महाविधालयो के लगभग 980 छात्रों ने भाग लिया। मेले में कृषि एवं बैंकों से जुड़ी 15 कंपनियों जैसे क्रिस्टल, कोरटेवा, धानुका, वेलकोन, विरबैक, नंदी शीड, आईसीआईसीआई बैंक इत्यादि ने विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर दिये। धानुका कम्पनी द्वारा 21 स्नातक अंतिम वर्ष, 12 डठ। एवं 3 संघटक कृषि महाविधालयों के छात्रों को इंटर्नशिप के लिए चयन किया और क्रिस्टल कम्पनी द्वारा 3 डठ। छात्रों को रोजगार दिया गया।

➢ **उद्यमिता/कौशल विकास प्रशिक्षणों का आयोजन** – एक सफल उद्यमी बनना आसान नहीं है लेकिन ये उतना भी कठिन नही है उद्यमिता कौशल के जरिए आप बिजनेस में आने वाली समस्याओं से बच सकते हैं समस्याओं का समाधान कर सकते है। एक Entrepreneur के अंदर दूसरो से अलग सोचना, लोगो को हैंडल करने की क्षमता, जिम्मेदारी आदि सभी गुण होते हैं। इन सभी गुणों को सीखने के लिए राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि

विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर उद्यमशीलता/कौशल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और छात्रों के बीच उद्यमशीलता मानसिकता का निर्माण करने के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता/कौशल विकास पहल की दिशा में जनवरी 2023 से मार्च 2023 के दौरान 4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षणों से 168 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

➢ **राजस्व सृजन के लिए प्रशिक्षणों का आयोजन** – श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना में कृषि स्टार्टअप, कृषि व्यवसाय आदि शुरू करने के लिए छात्रों में संचार कौशल, उद्यमशीलता कौशल, सूचना प्रसंस्करण, रचनात्मक और अभिनव सोच, नेतृत्व कौशल और उद्योग–लिंकेज जैसी मानसिकता विकसित करने के लिए उद्यमशीलता प्रशिक्षण के माध्यम से राजस्व सृजन की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए मई 2023 से दिसंबर 2023 के दौरान 12 उद्यमशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवाए गए। जिनके माध्यम से कुल राजस्व रुपये 6 लाख 90 हजार प्राप्त हुए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों सें देश एवं राज्य के विशिष्ट कृषि संस्थानों व संगठनों के 460 लाभार्थी लाभान्वित हुए।

➢ **कृषि शिक्षा मेलों का आयोजन**– भारत में कृषि के भविष्य को मजबूत करने के लिए युवाओं को कृषि शिक्षा की ओर आकर्षित करना एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके लिए कृषि संबंधित विषयों के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले युवाओं के बीच बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना में कृषि–शिक्षा में जागरूकता पैदा करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार हाई स्कूल और सीनियर स्कूल स्तर पर कृषि को मुख्य धारा के रूप में चुनने के लिए जुलाई 2023 से दिसंबर 2023 के दौरान विश्वविद्यालय के आठ संघटक महाविद्यालयों में आठ कृषि शिक्षा मेलों का आयोजन किया गया। इन कृषि शिक्षा मेलों के दौरान कृषि क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की विभिन्न जानकारी के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी–2020) के तहत विद्यालय स्तर पर कृषि शिक्षा शुरू करने, कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश–निकास विकल्पों के साथ अकादमिक क्रेडिट बैंक और डिग्री कार्यक्रम लाने की जानकारी दी तथा स्टूडेन्ट रेडी प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताया। इन कृषि शिक्षा मेलों के दौरान विद्यार्थियों ने प्रदर्शनियों का अवलोकन, महाविद्यालयों की ईकाईयों का भ्रमण, वृक्षारोपण, सांस्कृतिक एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों में भाग लेकर कृषि विज्ञान विषय एवं कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की विस्तृत जानकारी ली। इन कृषि शिक्षा मेलों से लगभग 2520 लाभार्थी लाभान्वित हुए।

➢ **स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत विद्यर्थियो को अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण** – राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण हेतु विदेश के ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर व कृषि महाविद्यालय, लालसोट के विद्यार्थियों ने स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, बैंकाँक व वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में क्रमशः एक व दो महीनो तक प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमे उन्होने ड्रोन प्रदर्शन एव कृषि मे इसका उपयोग, ऑनलाइन रिमोट ट्रांस्प्लान्टर के माध्यम से चावल कि रोपाई व पानी कि कमी वाले क्षेत्रो मे आर्किड उगाना और टमाटर के पोधो मे ध्वनि परागण जैसे बिन्दुओ पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस योजना के तहत 29 विद्यार्थियों ने विदेश में अलग– अलग कृषि के विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया जो इनके भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा।

➢ **फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत शिक्षको को अन्तराष्ट्रीय प्रशिक्षण** – विश्वविद्यालय के 15 शिक्षको ने भी फैकल्टी

डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत जापान, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, यू.एस.ए., फिनलैडं, कोरीया, इटली जैसे कई उच्च स्तरीय विश्वविद्यालयो व संस्थानों में 15 दिन से 5 महीनो तक अलग–अलग विषयों एवं फसलों में प्रशिक्षण प्राप्त किया इन कार्यक्रमों में फैकल्टी ने कई किस्मों की गेंदे की पंखुड़ियों से प्रमुख लिपोफिलिक यौगिकों का निष्कर्षण और गैसक्रोमैटोग्राफी–मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी–एमएस), जीसी–फ्लेम आयनीकरण डिटेक्शन (एफआईडी), और तरल क्रोमैटोग्राफी–मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी–) जैसी उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग करके सामग्री का विश्लेषण किया और टिकाऊ कृषि उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी की उर्वरता का प्रबंधन व जलवायु संबंधी कारको से प्रभावित स्थलीय एव जलीय संदूषक का परिवहन आदि शीर्षकों पर कार्य करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया। ये प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के छात्रों व किसानो के लिये कृषि हेतु उपयोगी होगा व विदेशों के नामी विश्वविद्यालयों से अनुबंध की राह भी खुलेगी, जिससे यहाँ के विद्यार्थी विदेश जा कर वहाँ की परिस्थितियों में अनुसंधान कर नया अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

➢ **2023 में एस.के.एन. एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर की उपलब्धियां**:– कृषि उद्यमिता के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में एस.के.ए. एग्री – बिजनेस इनक्यूबेटर (साबी) ने 2023 में एक उल्लेखनीय वर्ष बिताया, जो उपलब्धियों, सहयोग और कृषि–स्टार्टअप के पोषण के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता द्वारा चिह्नित है। आर.आई.सी का आयोजन 27 दिसंबर और 27 जनवरी 2023 किया गया। 24 व 25 जनवरी 2023 को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित "कृषि महोत्सवः प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण" में साबी से संबद्ध सात स्टार्टप्स ने भाग लिया। दिनांक 19 फरवरी 2023 को सीसीएस–नियाम में "सीसीएस– नियाम एग्री इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर" के उद्घाटन के अवसर निदेशक, साबी को सराहनीय कार्य के लिए माननीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार सहित गणमान्य लोगों के द्वारा प्लेटिनम पुरस्कार प्रदान किया गया। 24 फरवरी 2023 को साबी द्वारा आर. के. वी.वाई के तहत कृषि – स्टार्टप के लिए "एक्सिलरेटर फंड" पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। 2 जून, 2023 को बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें कृषि क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व के बारे में बताया गया। 28 अक्टूबर, 2023 को स्टार्टअप मीट का आयोजन किया गया। नवंबर माह में "कृषि और संबद्ध विज्ञान में बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के आर्थिक आयाम एक बहुरूपदर्शक दृश्य" विषय पर एक

7–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्टार्टअप के दायरे से परे, साबी ने राजस्थान मिलेट्स कॉन्क्लेव और राजस्थान किसान महोत्सव 2023 सहित कार्यक्रमों और सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें माननीय कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह, डॉ. एम. एल. जाखड़ (निदेशक, एचआरडी) और डॉ. ए.के. गुप्ता ने भाग लिया। साबी में प्रशिक्षित स्टार्टअप की उल्लेखनीय

सफलता निम्न है, जैसे कि आदविक फूड्स एंड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड शार्क टैंक इंडिया सीजन 2 में प्रदर्शित और वर्डेट इम्पैक्ट प्राइवेट लिमिटेड टेकस्पार्क 2023 के दौरान पिच फेस्ट 2023 में विजेता के रूप में उभरा। संक्षेप में, 2023 एस.के.एन. एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर के लिए विजय का वर्ष रहा है, जो कृषि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे–जैसे साबी नए क्षेत्रों की योजना बना रहा है, यह सफलता की किरण और कृषि उद्यमिता के विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में खड़ा है।

➢ **24 वीं राष्ट्रीय वार्षिक मृदा आथ्रोपोड की बैठकः**– 24 वीं राष्ट्रीय वार्षिक मृदा आथ्रोपोड की बैठक दिनांक 13–14 जुलाई को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित की गई। इस बैठक के अध्यक्ष डॉ. एस. सी. दूबे (ADG PP & B-ICAR, New Delhi) मुख्य अतिथि आदरणीय डॉ. बलराज सिंह (कुलपति, एसकेएनएयू, जोबनेर) एवं इसके विषय विशेषज्ञ सदस्य डॉ. एस. एन. सुशील (निदेशक, एनबीएआईआर बेगंलुरू), डॉ. एच.सी. दूबे ने जीपीएस आधारित तकनीक से कीट सर्वेक्षण करने और सफेद लट, दीमक एवं कटवर्म का राष्ट्रीय मानचित्र विकसित करने के लिए सभी केन्द्रों को एक वर्ष में रोड़ मैप तैयार करने पर जोर दिया। डॉ. बलराज सिंह ने बड़े पैमाने पर जैव–नियंत्रण प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करके विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के बीच समन्वय द्वारा पर्यावरण अनुकूलित कीट प्रबंधन दृष्टिकोण पर अधिक जोर देने पर प्रकाश डाला।

➢ **कृषि महाविद्यालयों में प्रशासनिक भवन व छात्रावास निर्माण** :– श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यलय, जोबनेर के 8 संघटक कृषि महाविद्यालयों कमशः कोटपुतली, नौगांव, किशनगढबास, बसेडी, झिलाई, पीथमपुरी भुसावर एवं डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन, छात्र एवं छात्राओं छात्रावास, अधिष्ठाता निवास आदि भवनों का शिलान्यास कर दिया गया है एवं भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है जो कि वर्ष 2024–25 में पूर्ण होने की सम्भावना है।

➢ **विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाईट का लोकार्पण** :– कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की नवीन वेबसाईट का लोकार्पण माननीय उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनकड के कर कमलों द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2023 को विश्वविद्यालय के 11 वें स्थापना दिवस समारोह में किया गया। यह नवीन वेबसाइट कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रगति, नवाचारों, उपलब्धियों और प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करती है। इसमें एक व्यवस्थापक पैनल, गतिशील सामग्री, एकाधिक पेज बनाने

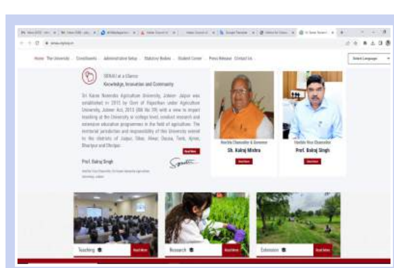

की क्षमता, द्विभाषी समर्थन, प्रतिक्रिया और उपयोगकर्ता लॉग शामिल हैं। अन्य विशेषता एक पॉप–अप बैनर है जो आगामी

गतिविधियों की महत्वपूर्ण जानकारी या घोषणाएँ प्रदर्शित कर सकता है। नई वेबसाइट सीधे आईएमडी, पुणे से लिए गए वास्तविक समय डेटा के लिए कृषि जलवायु विवरण, विशेष रूप से अधिकतम और न्यूनतम तापमान और अपेक्षित मौसम की स्थिति जैसे विजेट का भी प्रदर्शन करती है। अभी यह नई वेबसाइट पुरानी वेबसाइट के साथ पायलट मोड़ पर चल रही है

➢ **एआर/वीआर अनुभव केंद्र की स्थापना** :– कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में "एआर/वीआर अनुभव केंद्र" स्थापित किया गया जिसका उद्घाटन 26.04.2023 को माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय डॉ. बलराज सिंह द्वारा किया गया था। वीआर तकनीक एक त्रि–आयामी वातावरण का कंप्यूटर–जनित सिमुलेशन है जिसे हेडसेट के उपयोग के माध्यम से अनुभव किया जा सकता है। यह "एआर/वीआर अनुभव केंद्र" अनुभव एक सुविधा है जिसे वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से कृषि अनुसंधान, नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर, एनएएचईपी–घटक –2 द्वारा स्थापित किया गया है। यह केंद्र उन्नत उपकरणों से सुसज्जित है जो अनुसंधानरत वैज्ञानिको और छात्रों को आभासी वास्तविकता के क्षेत्र में कृषि से संबंधित नए अनुप्रयोगों और सॉफ्टवेयर का अनुभव करने में सक्षम है।

➢ **बीजीय मसाला पर जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन** – "उन्नत प्रोद्योगिकियों के माध्यम से बीजीय मसाला फसलों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना" पादप प्रजनन और आनुवंशिकी विभाग में मसालों पर एआईसीआरपी के सहयोग से बागवानी के एकीकृत विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत सुपारी और मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी), कोझीकोड द्वारा प्रायोजित जिला स्तरीय सेमिनार 14–15 फरवरी, 2023 को आयोजित की गई। इस जिला स्तरीय सेमिनार में राजस्थान के जयपुर और नागौर जिलों के किसानों, सहायक कृषि अधिकारियों, कृषि पर्यवेक्षकों सहित कुल 119 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

➢ **कृषि महाविद्यालय कुम्हेर (भरतपुर) एवं फतेहपुर–शेखावाटी में पी. आर. टी. दल का अवलोकन**:– श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर) एवं फतेहपुर, शेखावाटी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त करने हेतु पी. आर. टी. दल का अवलोकन दिनांक 21–24 सितम्बर, 2023 को सम्पन्न हुआ।

➢ **डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय में विकसित चारा गार्डन को बेस्ट मेन्टेड गार्डन का पुरस्कार** :–डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर में चारा गार्डन विकसित किया हुआ है। इस चारा गार्डन को भारतीय चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI) झांसी द्वारा बेस्ट मेन्टेण्ड गार्डन द्वारा पुरूष्कृत किया गया।

➢ **श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्विद्यालय, जोबनेर एवं संघटक कृषि महाविद्यालयों को मान्यता**:– श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं दो संघटक कृषि महाविद्यालय क्रमशः जोबनेर एवं लालसोट को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता (।बबतमकपजंजपवद) को 31 मार्च 2026 तक के लिये बढाया गया है।

➢ **रिमोट पायलट ट्रेनिंग आर्गेनाईजेशन** (RPTO) – श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कृषि अभियांत्रिकी विभाग में चल रहे। कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगों पर उत्कृष्टता केंद्र (RKVY-32) प्रोजेक्ट के तहदस्थापित की गयी सुविधाओं के चलते जून 2023 से कृषि अभियांत्रिकी विभाग में डीजीसीए, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत रिमोट पायलट ट्रेनिंग आर्गेनाईजेशन (RPTO) शुरू किया गया है जो की पुरे राजस्थान राज्य में पहला RPTO है। इस RPTO के तहद स्माल केटेगरी के ड्रोन को चलाने एवं उसके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें प्रशिक्षण लेने हेतु प्रतिभागी कम से कम दसवीं पास होना जरूरी है एवं उसकी उम्र 18 वर्ष से ज्यादा होना जरूरी है। अब तक त्च्ज्व के अंतर्गत 32 प्रतिभागियों ने ट्रेनिंग ली है एवं डीजीसीए का ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट प्राप्त किया है।

➢ **छठवां एलुमनाई मीट–2023 का आयोजन**:– श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 25 मार्च, 2023 को छठवां

एलुमनाई मीट का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के पास आउट विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजी एसीबी. डॉ. बीएल सोनी एवं अध्यक्षता कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने की। डॉ. बी. एल. सोनी ने अपने विद्यार्थी जीवन और शिक्षा को लेकर विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को वरिष्ठजनों के ज्ञान कौशल का लाभ लेकर जीवन आगे बढने का संदेश दिया। कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय नई ऊचाईयों पर ले जाने के लिये अपना शत् प्रतिशत करने का संदेश दिया।

➢ **समझौता ज्ञापन** : विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान व शोध में गुणवता बढाने के लिए 15 राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से समझौता अनुबन्ध किये हैं। इनसे छात्रों व वैज्ञानिक को विश्वस्तरीय शोध संस्थाओ में अनुसंधान व शोध करने का अवसर मिलेगा।

➢ **नाबार्ड द्वारा एकीकृत कृषि प्रणाली परियोजना के तहत इकाई की स्थापना** : कृषि अनुसन्धान केंद्र, फतेहपुर – शेखावटी, सीकर में बकरी पालन, जल कुण्ड, उद्यान, केचुआ एवं अजोला ईकाइ का कार्य पूर्ण हुआ।

➢ **गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन** : श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के तत्वाधान में गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन अनुसंधान निदेशालय, जोबनेर द्वारा 16 से 22 अगस्त, 2023 को किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों, विभिन्न विभागों के सदस्यगण एवं कर्मचारियों को गाजर घास के तकनीकी पहलूओं तथा इसके नियंत्रण के विभिन्न आयामों की विस्तृत रूप से चर्चा की। साथ ही पारथेनियम अवेयरनेस ''क्विज'' का आयोजन श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के सहयोग से किया गया जिसमें महाविद्यालय के 128 प्रतिभागियों नें भाग लिया।

➢ **मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापना** : कृषि अनुसन्धान केंद्र, नौगांवा पर मशरूम उत्पादन एवं प्रदर्शन इकाई की स्थापना की गई है मशरूम उत्पादन प्रदर्शन इकाई में ढींगरी व बटन मशरूम उगाई जाती है। मशरूम का स्पान उत्पादन प्रयोगशाला में ढींगरी व बटन आदि मशरूम का स्पान उत्पादन किया जाता है। मशरूम प्रयोजना में मशरूम उत्पादन तकनीक से ग्रामीण युवाओं में उधमिता विकास के लिए प्रशिक्षण दिया गया है।

➢ **कृषि में नैनो उर्वरकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला** : राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा द्वारा कृषि में नैनो उर्वरकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 02 मार्च, 2023 को किया गया। जिसमें 300 किसानों, वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

➢ **पौधरोपण** : श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाईयों पर प्रतिवर्ष सघन पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य हरित कैम्पस व साफ सुथरा परिसर है। वर्ष 2023 में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय परिसर व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गाँवों में लगभग 3000 पौधे का रोपण किया गया।

➢ **कर्ण नरेंद्र ट्राइकोडर्मा (केएनटी) का उत्पादन :** मृदा जनित रोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन की सुविधा के लिए पौध व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में ट्राइकोडर्मा हर्जियानम का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया है। उत्पाद को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाइयों को उनकी मांग के अनुसार फसल के मौसम के दौरान आपूर्ति की गई और प्रदर्शन उद्देश्य के लिए किसानों को भी आपूर्ति की गई।

➢ **जिला स्तरीय पांच दिवसीय आत्मा के दो प्रशिक्षण संमवित कृषि विषय पर :** कृषि विभाग, अलवर तथा टोंक के संयुक्त सौजन्य से प्रसार शिक्षा निदेशालय, एसकेएनएयू, जोबनेर द्वारा दिनांक 28 फरवरी से 04 मार्च तथा 20 से 24 मार्च, 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित किये गये। जिसमें 30–30 किसानों ने भाग लिया।

➢ **मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकियां :** प्रसार शिक्षा निदेशालय, एसकेएनएयू, जोबनेर तथा मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कालीकट के सयुंक्त तत्ववधान में मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकियां को प्रोत्साहन करने के लिए प्रशिक्षण दिनांक 18 अक्टूबर, 2023 को आयोजित किया गया जिनमें कुल 91 किसानों ने भाग लिया।

➢ **मास्टर ट्रेनर्स (शिक्षक) का प्रशिक्षण :** स्कूल पोषण उद्यान पहल के तहत मास्टर ट्रेनर्स (सरकारी स्कूलों के शिक्षक) का प्रशिक्षण प्रसार शिक्षा निदेशालय, एसकेएनएयू, जोबनेर द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2023 को आयोजित किया गया जिसमें 25 स्कूलों के शिक्षको ने भाग लिया।

➢ **जिला स्तरीय वर्कशॉप "राजस्थान में मिलैट पोषण का खजाना" विषय पर :** कृषि विभाग, जयपुर के संयुक्त सौजन्य से प्रसार शिक्षा निदेशालय, एसकेएनएयू, जोबनेर द्वारा दिनांक 09 अक्टूबर, 2023 को आयोजन किया गया जिसमें कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि महाविधालय के वैज्ञानिकों तथा कृषि पर्यवेक्षको सहित 96 लोगों ने भाग लिया।

➢ **विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव सुन्दरपुरा में वर्ष 2023 में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित :** विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव सुन्दरपुरा में कम्प्यूटर साक्षरता, वृहद् वृक्षारोपण, स्वच्छता कार्यक्रम, पशु स्वास्थ्य जांच शिविर तथा उन्नत पशुपालन जागरूकता कार्यक्रम, नर्सरी प्रबंधन, वर्षा जल संरक्षण, दक्षता आधारित उन्नत पशुपालन पर प्रशिक्षण, वृद्धजनों (सिनियर सिटिजन) के सम्मान आदि कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये गये।

➢ **महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रशंसा पत्र :** यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव सुन्दरपुरा में संमवित विकास की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये सराहनीय कार्यो के लिये महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

➢ **श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविधालय, जोबनेर का केलेण्डर और डायरी 2023 का प्रकाशन :** प्रत्येक की 1000 प्रतियॉ मुद्रित करवाकर कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों को तथा कृषकों तक नवीनतम कृषि प्रौधोगिकी का प्रचार–प्रसार किया।

➢ **छात्र छात्राओं हेतु एम्बूलेंस सुविधा :** श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर के छात्र–छात्राओं के लिए 2 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंति पर माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय द्वारा शुभारम्भ किया।

12. पुरस्कार

- अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसन्धान परियोजना को 24वीं वार्षिक समूह बैठक में सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार 2022–23 से सम्मानित किया गया।
- डॉ. रानी सक्सैनाः सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार कृषि मौसम विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए केवीके, मधुबनी, बिहार 11–13 फरवरी, 2023
- डॉ. के.सी. गुप्ता और डॉ. सीमा शर्मा, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित बाजरा के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय सम्मेलन में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया गया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविधालय, जोबनेर द्वारा 26 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस समारोह में सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ रमाकांत शर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविधालय, जोबनेर द्वारा 26 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस समारोह में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर को मेगा कृषि–एक्सपो एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि विज्ञान केन्द्र, मधुबनी, बिहार में आयोजित प्रदर्शनी 11 से 13 फरवरी, 2023 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी पुरस्कार मिला।
- कृषक श्री सुरेन्द्र अवाना, गांव– भैराना, बिचून, जिला– जयपुर को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 03 मार्च–2023 को संमवित कृषि प्रणाली तथा प्राकृतिक खेती में किये विशेष नवाचारों के लिए फैलो फार्मर्स अवार्ड–2022प्रदान किया गया।
- कृषक डॉ श्रवण यादव, गांव– सुन्दरपुरा, जिला– जयपुर को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 03 मार्च–2023 को वर्मीकम्पोस्ट जथा जैविक खेती में अच्छे नवाचारी कार्यो के लिए इनोवेटिव फार्मर्स अवार्ड–2022 प्रदान किया गया।
- कृषक श्री गंगाराम सेपट, गांव– कालख जिला– जयपुर व कृषक श्री मांगी लाल जीतरवाल, गांव– मुरलीपुरा, जिला– जयपुर को बागवानी फसलों में गुणवता सुधार व मूल्यःसंवर्धन के लिए राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, पूने– महाराष्ट्र द्वारा नवाचारी फार्मर्स अवार्ड– 2023 प्रदान किया गया ।
- कृषक श्री श्याम सुन्दर शर्मा कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा के किसान को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 04 मार्च–2023 को वर्मीकम्पोस्ट जथा जैविक खेती में अच्छे नवाचारी कार्यो के लिए इनोवेटीव फार्मर्स अवार्ड–2022 प्रदान किया गया।
- कृषक श्रीमती रूबी पारीक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा के किसान को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 04 मार्च–2023 को नवाचारी कार्यो के लिए इनोवेटीव फार्मर्स अवार्ड–2022प्रदान किया गया।
- कृषक श्री श्याम सुन्दर शर्मा कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा के किसान को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 07 दिसम्बर–2023 को अच्छे नवाचारी कार्यो के लिए मिलेनिअर फार्मर अवार्ड 2023 प्रदान किया गया।प्रतिष्ठित आगंतुक

13. प्रतिष्ठित आगंतुक

1. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 08.01.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणिया (सीकर) का दौरा किया।
2. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 07–08.01.2023 को कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर व कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर का दौरा किया।
3. ऐटम गारंग डेक्यूक, संसद सदस्य, सुडान ने राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में अनुसंधान परीक्षण का भ्रमण किया।
4. अटेमगारंगदेकुएक संसद सदस्य सूडान ने दिनांक 05–1–2023 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में खरपतवार प्रबंधन पर अनुसंधान परीक्षणों का दौरा किया
5. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 16.01.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, गोनेडा (कोटपुतली) का दौरा किया।
6. डॉ. पी. के. राय, निदेशक, सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में तारामीरा फसल पर चल रहे अनुसांधान कार्यो का अवलोकन किया।
7. डॉ. विमल कुमार पाण्डे, प्रबन्धक (शस्य विज्ञान) एवं श्री योगेन्द्र राठौड, क्षेत्रीय अनुसंधान अधिकारी कोर्टेवा एग्री सांइन्स, जयपुर ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में ओरोबेंकी पर चल रहे अनुसंधान परीक्षणों का भ्रमण किया।
8. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, श्री सुरेश मोदी, माननीय विधायक नीमकाथाना, श्री टीकाराम, जूली, माननीय मंत्री सामाजिक न्याय विभाग एवं अधिकारिता, राजस्थान सरकार, श्री भंवर जितेन्द्र सिंह, श्री जुबेरखान, चेयरमैन मेवात विकास बोर्ड द्वारा दिनांक 04.02.2023 को कृषि महाविद्यालय, नौगांव के प्रशासनिक व अन्य भवनों का शिलान्यास किया गया।
9. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 04.02.2023 को कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास का भ्रमण कर महाविद्यालय में चल रहे भवन निर्माण एवं फार्म के विकास संबंधी कार्यों का परिविक्षण किया।
10. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 05.02.2023 को कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली का भ्रमण किया।
11. डॉ. इन्द्रजीत शायला बिन्द्रा, पल्स ब्रीडर एवं डॉ. उपाशना रानी, प्रिंसिपल पैथोलोजिस्ट पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना ने दिनांक 01.02.2023 को राजस्थान कृषि अनुसांधान, दुर्गापुरा में अखिल भारतीय चना अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत अनुसंधान कार्यों का परिविक्षण किया।
12. श्री भागीरथ चौधरी, माननीय सांसद, अजमेर ने दिनांक 27.02.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर) का भ्रमण किया।
13. डॉ. महक सिंह, अनुसंधान निदेशक, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं तकनिकी विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ. बी. एल मीणा, वैज्ञानिक सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में अखिल भारतीय सरसों अनुसंधान परियोजना के तहत् चल रहे अनुसंधान कार्यों को परिविक्षण किया।
14. डॉ. अजिल कुमार कर्नाटका, माननीय कुलपति, महाराण प्रताप कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने दिनांक 07. 02.2023 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।
15. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 05.02.2023 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, नौगांव में बीज उत्पादन व अनुसंधान कार्यों का परिविक्षण किया।

16. डॉ. एम. एस. यादव, प्रधान वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, आई. पी. एम., नई दिल्ली ने दिनांक 06.02.2023 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, नौगांव में चल रहे अनुसंधान कार्यों का परिविक्षण किया।
17. डॉ. रणदीप सिंह, भूतपूर्व सहायक, निदेशक एवं प्रधान वैज्ञानिक आई. आई. डब्ल्यु. बी. आर. करनाल ने कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांव व जौ के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों का अवलोकन किया।
18. डॉ. डी. पी. अहुजा, पूर्व निदेशक, एन. सी. आई. पी. एम., नई दिल्ली ने दिनांक 09.03.2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कीट विज्ञान विभाग का भ्रमण किया।
19. डॉ. एम. एस. यादव, प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. के. वी. राघवेन्द्र, वैज्ञानिक, एन. आर. सी. आई. पी. एम., नई दिल्ली ने श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का भ्रमण किया।
20. डॉ. अरूण कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, सरसों अनुसंधान निदेशालय ने दिनांक 14.03.2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में तारामीरा पर चल रहे अनुसंधान कार्यों का अवलोकन किया।
21. डॉ. रामजी लाल खण्डेलवाल, एमरिर्टस प्रोफेसर, जैव रसायन विज्ञान, साकथवान, कनाडा, श्री के. सी. खण्डेलवाल, पूर्वनिदेशक, अक्षयउर्जा निगम, राजस्थान ने दिनांक 21.03.2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कीट विज्ञान विभाग का भ्रमण किया।
22. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं डॉ. विनय भारद्वाज, निदेशक, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर ने दिनांक 23.03.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर) एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र का भ्रमण किया।
23. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 26–27.03.2023 को कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर का दौरा कर शिक्षकों एवं छात्रों के साथ चर्चा की।
24. श्री प्रशान्त बैरवा, माननीय विधायक, निवाई–पीपलू (टोंक) एवं माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 05.04.2023 को कृषि महाविद्यालय, झिलाई (निवाई) भवन के शिलन्यास कार्यक्रम मे शिरकत की।
25. डॉ. प्रितेश कुमारी, वैज्ञानिक, एन. बी. पी. जी. आर., नई दिल्ली ने दिनांक 06.04.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अनुसंधान कार्यों का भ्रमण किया।
26. किसान संघ, उत्तराखण्ड के माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यों ने दिनांक 15.04.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर का भ्रमण किया।
27. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 26.04.2023 को कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली का दौरा किया एवं दिनांक 28.04.2023 को महाविद्यालय के पाथरेडी स्थित महाविद्यालय फार्म का निरीक्षण किया।
28. श्री हेमराज परिदवाल, उपनिदेशक, यूथ अफेयर्स एवं स्पोट्स, राजस्थान सरकार, डॉ. ए. के. पाण्डे, सयुंक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, टोंक एवं डॉ. शिवराज शर्मा, वरिष्ठ वेटेनरी अधिकारी टोंक ने दिनांक 29.04.2023 को कृषि महाविद्यालय, झिलाई का दौरा किया।
29. डॉ. वी. के. फोगाट, एमरेटस, प्रोफेसर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने दिनांक 08.05.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का भ्रमण किया।
30. डॉ. जे. पी. मिश्रा, निदेशक, अटारी जोधपुर ने दिनांक 18.05.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर का अवलोकन किया।
31. डॉ. एम. पी. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, आई. आई एस. आर., इंदौर ने दिनांक 23.05.2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का भ्रमण किया।

32. डॉ. पी. रामासुन्दरम, नेशनल कोडिनेटर, आई. डी. पी. नाहेप ने दिनांक 27.05.2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में नाहेप के अन्तर्गत चल रही गतिविधियों को अवलोकन किया।

33. डॉ. एन. एस. भटट्, प्रो. (सेवानिवृत) कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर, डॉ. के. लक्ष्मी राव (सेवानिवृत) सहायक निदेशक, सेन्ट्रल बी. रिसर्च एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे, डॉ. ए. के. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर, श्री शंकर एन. भारदवाज, सी. ई. ओ. ग्राम जन्य एफ. पी. ओ., पुटुर (कर्नाटका), श्री मनोज उपाध्याय, चैयरमैन अरयाही फैड एफ. पी. ओ., साहरनपुर (उत्तर प्रदेश), हार्दिक जोशी, निदेशक, हनीवेदा ने दिनांक 30–31.05.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र नौगांव का भ्रमण किया।

34. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 27.05.2023 को कृषि महाविद्यालय, भुसावर एवं कृषि महाविद्यालय, बसेडी का भ्रमण कर महाविद्यालय में चल रहे भवन निर्माण एवं फार्म के विकास संबंधी कार्यों का परिविक्षण किया।

35. डॉ. भारती दीक्षित, जिला कलक्टर, अजमेर ने दिनांक 05.06.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर का भ्रमण कर कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों का परिविक्षण किया।

36. श्रीमती जसकौर मीना, माननीया सांसद दौसा व प्रो. बलराज सिंह, कुलपति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 08.06.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा द्वारा आयोजित अनुसूचित जनजाति अंतर्गत किसान गोष्ठी में सम्मिलित हुए।

37. डॉ. विपिन चौधरी, नेटवर्क कोर्डिनेटर, ए. आई. एन. पी. वर्टीब्रेट पेस्ट मैनेजमेंट, काजरी, जोधपुर ने दिनांक 21.06.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्याल, जोबनेर के कीट विज्ञान विभाग का दौरा किया।

38. डॉ. मदनपाल सिंह, एमेरिट्स, वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., नई दिल्ली ने दिनांक 21.06.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के पौध कार्यिकी विभाग का भ्रमण किया।

39. डॉ. अरुण कुमार तोमर, निदेशक के भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर व श्रीमती जसकौर मीना, माननीया सांसद दौसा दिनांक 22.06.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा द्वारा आयोजित अनुसूचित जनजाति अंतर्गत कृषक वैज्ञानिक संवाद में सम्मिलित हुए।

40. डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, भूतपूर्व महानिदेशक, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली ने दिनांक 24.06.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर का निरीक्षण किया।

41. डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक अटारी जोधपुर ने दिनांक 06.07.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली का भ्रमण किया।

42. डॉ. पी. पी. रोहिला, प्रधान वैज्ञानिक (पशुपालन विभाग), अटारी जोधपुर ने दिनांक 13.07.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, भरतपुर का दौरा किया।

43. श्री रामस्वरूप लाम्बा माननीय विधायक, नसीराबाद ने दिनांक 27.07.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर का दौरा किया।

44. डॉ. जे. पी. मिश्रा, निदेशक, अटारी जोधपुर ने दिनांक 27.07.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांव का अवलोकन किया।

45. श्री राजेन्द्र यादव, माननीय उच्च शिक्षमंत्री, राजस्थान सरकार ने दिनांक 29.08.2023 को कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर का दौरा किया।

46. श्री राजेन्द्र यादव, माननीय उच्च शिक्षमंत्री, राजस्थान सरकार व माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर दिनांक 05.08.2023 को कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली के चतुर्थ स्थापना दिवस कार्यक्रम में समिल्लित हुए।

47. डॉ. ए.एस. तोमर, अध्यक्ष, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने दिनांक 19.08.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के कीट विज्ञान विभाग की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटो और जैव कीटनाशकों

का बड़े पैमाने पर उत्पादन)/ जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला/ कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया।

48. श्री योगेश कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक उद्यान, श्री बी. के. प्रहलाद (ब्रम्हकुमारीज), श्री रामकुमार गुप्ता (शहद उद्योगपति), डॉ. रामस्वरूप चौधरी (प्रधान वैज्ञानिक) एवं श्री अनिल गुप्ता (लुपिन भरतपुर) ने नये कृषि महाविद्यालय.का दौरा किया।

49. डॉ. आदित्य गर्ग ने दिनांक 19.08.2023 को राजस्थान अनुसंधान, दुर्गापुरा में दलहन फसलों के अनुसंधान के कार्यों का परिविक्षण किया।

50. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 11.08.2023 को कृषि महाविद्यालय, लालसोट का दौरा किया।

51. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 08.09.2023 को कृषि अनुसंधान संस्थान, फतेहपुर एवं कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर का दौरा किया।

52. श्री जगदीप धनकड, माननीय उपराष्ट्रपति, भारत सरकार, श्री राज्यर्वधन सिंह, माननीय संसाद, जयपुर ग्रामीण दिनांक 14.09.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के स्थापना दिवस समारोह में क्रमशः मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

53. प्रो. एस. के राव, चेयरमैन, पी. आर. टी. टीम व पूर्व कुलपति आर. वी. एस. के. वी., ग्वालियर व प्रो. बी. एस. देवडा, पूर्व निदेशक एवं अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर), एस. डी. यू. ए. टी. एस. के. नगर (गुजरात) डॉ. एन. श्री. निवासा अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर), यू. ए. एस. बैगलूरू एवं डॉ. आर. रामा. सुन्दरम, राष्ट्रिय कोर्डिनेटर, आई. डी. पी. – नाहेप, नई दिल्ली ने कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर एवं कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर का मान्यता हेतु दिनांक 22–23.09.2023 को भ्रमण किया।

54. डॉ. विनय भारद्वाज, निदेशक, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर ने दिनांक 16.09.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर) का भ्रमण किया।

55. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 29.10.2023 को कृषि महाविद्यालय, झिलाई का दौरा किया।

56. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, डॉ. पी. डी. मीणा, प्रधान वैज्ञानिक, सरसों अनुसंधान केन्द्र, भरतपुर, श्री योगेश शर्मा, संयुक्त निदेशक उद्यान, भरतपुर, श्री विजय सिंह डागुर, संयुक्त निदेशक कृषि प्रसार, भरतपुर, श्री राजेश शर्मा, क्षेत्रिय प्रबन्धक, राजस्थान राज्य बीज निगम, भरतपुर ने दिनांक 26.10.2023 को कृषि महाविद्यालय, बसेडी का दौरा किया।

57. डॉ. वजीर सिंह लाकरा, पूर्व कुलपति एवं निदेशक सी. आई. एफ. ई., मुम्बई दिनांक 05.11.2023 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में अन्तर महाविद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

58. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 18.11.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र, नौगांव का दौरा कर केन्द्र की गतिविधियों का अवलोकन किया। श्री टी. के. मनोज कुमार, चैयरमैन, डब्लू. डी. आर. ए., नई दिल्ली दिनांक 19.11.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर का दौरा किया।

59. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 28.11.2023 को कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास का दौरा कर महाविद्यालय भवन, छात्र व छात्राआएं छात्रावास, में निमार्ण कार्यों एवं नागलिया फार्म में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया।

60. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 19.12.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमर) का दौरा कर केन्द्र की गतिविधियों का अवलोकन किया।

61. श्री सुखवीर सिंह जौनपुरिया, माननीय सांसद, सवाई माधोपुर, श्री रामसहाय वर्मा, माननीय विधायक, निवाई–पीपलू एवं माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 23.12.2023 को कृषि महाविद्यालय, झिलाई में अयोजित कृषि शिक्षा मेले में सम्मिलित हुए।

14. सारांश

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने वर्ष 2023–24 के दौरान शिक्षा अनुसंधान व प्रसार शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की है। इस प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्रबन्ध मण्डल की तीन व शैक्षणिक परिषद् की चार बैठकें आयोजित हुई, जिनमें शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा के साथ साथ कर्मचारियों व छात्रों के कल्याण से सम्बन्धित महत्वपुर्ण निर्णय लिये गये। प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय में आचार्य के दो पदों पर, सह आचार्य के दो पदों पर व सहायक आचार्य के 79 पदों पर भर्ती की गई। इसके अलावा अशैक्षणिक संवर्ग कें 180 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चालू है। प्रतिवेदन वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ साथ दो संघटक कृषि महाविद्यालय क्रमशः श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर एवं कृषि महाविद्यालय, लालसोट का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली से मान्यता (Accreditation) को 31 मार्च 2026 तक के लिये बढाया गया। स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 29 विद्यार्थियों ने एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, बैंकाक व वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में क्रमशः एक व दो महीनो का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के 15 शिक्षको ने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत विदेश के कई उच्च स्तरीय विश्वविद्यालयों व संस्थानों में 15 दिन से 5 महीनों तक अलग–अलग विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यलय, जोबनेर के 8 संघटक कृषि महाविद्यालयों के प्रशासनिक भवन, छात्र एवं छात्राओं छात्रावास, अधिष्ठाता निवास आदि भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है जो कि वर्ष 2024–25 में पूर्ण होने की सम्भावना है।

विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में 16 मार्च 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह में 985 विद्यार्थियों को स्नातक, 75 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर एवं 32 विद्यार्थियों को विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान करने के साथ 8 प्रतिभावान छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय में शिक्षा एवं अनुंसधान को उच्च स्तर पर ले जाने हेतु प्रतिवेदन वर्ष में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों के साथ 15 अनुबंध किये गये।

शैक्षणिक सत्र 2023–24 में विश्वविद्यालय के चौदह संघटक महाविद्यालयों में 743 विद्यार्थियों ने स्नातक, 98 विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर व 52 विद्यार्थियों ने विद्या वाचस्पति में प्रवेश प्राप्त किया। इस प्रकार विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कुल संख्या 2779 है। प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय से 4 राजकीय कृषि महाविद्यालय सम्बद्ध हुए है। इस प्रकार कुल 14 सरकारी एवं 10 निजी कृषि महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है जिसमें कुल अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या 2583 है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना, एन. सी. सी. व एन. एस. ओ. के तहत् उल्लेखनीय कार्यक्रम आयोजित किये गये। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 5–8 नंवम्बर 2023 को अन्तर महाविद्यालय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें सभी चौदह संघटक महाविद्यालयों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रतिवेदन वर्ष में ग्वार की 2 उन्नत किस्में विकसित की गई है, जिनमें ग्वार की करण ग्वार – 14 (आर.जी.आर. 18–1) व करण ग्वार – 15 (आर.जीआर 20–15) प्रमुख है। इस वर्ष के दौरान प्रमुख फसलों में उत्पादन, पौध संरक्षण व अन्य विषयों पर आधारित कुल 43 उन्नत कृषि तकनीक विकसित की गई है। वर्ष 2023–24 में दो राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं। निजी कम्पनियों की 38 परीक्षण परियोजनाओं के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों से बहु केन्द्रीय परीक्षण हेतु 5 परीक्षण परियोजनाएं कार्यरत है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष प्रमुख फसलों का 2791 क्विंटल प्रजनक बीज व 3886 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ, जिससे क्षेत्र के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो पाया।

कृषि प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से इस वर्ष 211 संस्थागत एवं 190 गैर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिनसे 12252 कृषक व कृषक महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए। साथ ही 611 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये, जिनसे 2870 कृषक लाभान्वित हुए। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 50 प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किये गये। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 5 किसान मेले आयोजित किये गये जिनके माध्यम से 2400 किसान लाभान्वित हुए। इसी प्रकार 41 कृषि प्रदर्शनी लगाई गई, जिनके माध्यम से 45,000 से अधिक किसानों को कृषि की नवीन तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। इस

वर्ष के दौरान 26 कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक वर्ष के रूप में मनाया है, जिसके अन्तर्गत बाजरा के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय कॉन्क्लेव, दो दिवसीय श्री अन्न सम्मेलन का आयोजन के साथ– साथ विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये गये। राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ आवश्यक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान कर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उदेद्श्य से बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी, पोल्ट्री फार्म का उद्यमिता प्रबंधन, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और बागवानी फसलों का मूल्य संवर्धन, जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन विषयों पर चार व्यावसायिक सर्टिफिकेट कोर्सज का आयोजन किया गया। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना के वित्तीय सहयोग से 22 दिसंबर 2023 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय में एक दिवसीय प्लेसमेंट मेले का आयोजन किया गया। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर उद्यमशीलता/कौशल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और छात्रों के बीच उद्यमशीलता मानसिकता का निर्माण करने के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता/कौशल विकास पहल की दिशा में जनवरी 2023 सें मार्च 2023 के दौरान 4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना में कृषि–शिक्षा में जागरूकता पैदा करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार हाई स्कूल और सीनियर स्कूल स्तर पर कृषि को मुख्य धारा के रूप में चुनने के लिए जुलाई 2023 से दिसंबर 2023 के दौरान विश्वविद्यालय के आठ संघटक महाविद्यालयों में आठ कृषि शिक्षा मेलों का आयोजन किया गया। कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में "एआर/वीआर अनुभव केंद्र" स्थापित किया गया। वीआर तकनीक एक त्रि–आयामी वातावरण का कंप्यूटर–जनित सिमुलेशन है जिसे हेडसेट के उपयोग के माध्यम से अनुभव किया जा सकता है। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में डीजीसीए, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत रिमोट पायलट ट्रेनिंग आर्गेनाईजेशन की स्थापना की गई। अब तक त्व्ज्र के अंतर्गत 32 प्रतिभागियों ने ट्रेनिंग ली है एवं डीजीसीए का ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट प्राप्त किया है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मुल्यांकन
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–303329 (जयपुर) राजस्थान

फोन : 01425–25487

ई–मेल : director.pme@sknau.ac.in

वेबसाईट : sknau.ac.in